mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-50 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

21 अगस्त 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

राजीव गांधी की 81वीं जयंती, संसद में श्रद्धांजलि दी गई

राहुल ने फोटो शेयर कर लिखा-पापा के सपने पूरा करना मेरा लक्ष्य; प्रियंका-खड़गे वीर भूमि पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज 81वीं जयंती है। इस मौके पर संसद में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई सांसद शामिल हुए।

इधर, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दिल्ली के वीर भूमि पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस पूर्व पीएम के जन्मदिवस को दिवस के रूप में मना रही है।

राहुल गांधी ने X पर पापा राजीव गांधी की फोटो शेयर कर लिखा- एक ऐसा भारत जहां हर नागरिक को सम्मान मिले, जहां

सद्भावना हो, लोकतंत्र और संविधान से देश मजबूती से खड़ा हो। पापा, आपके देखे इस सपने को पूरा करना ही मेरा जीवन लक्ष्य है। पीएम मोदी ने कहा- आज उनकी जयंती पर, पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को मेरी श्रद्धांजलि।

प्रियंका ने X पर लिखा- विरासत में आप से करुणा, प्रेम और देशभक्ति का धर्म मिला। हम दोनों हमेशा के लिए ये धर्म निभायेंगे। न कोई तोड़ पाएगा, न कोई रोक पाएगा, न कभी हमारे कदम लड़खड़ायेंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने X पर लिखा- राजीव गांधी जी ने साहस के साथ परंपरागत रास्तों से हटकर नई सोच और इनोवेटिव योजनाओं को अपनाया, ताकि भारत 21वीं सदी के लिए तैयार हो सके।

राजीव गांधी को नेताओं ने दी श्रद्धांजलि : RJD प्रमुख तेजस्वी यादव- देश को आधुनिकता और उदारीकरण की ओर ले जाने वाले, सूचना, सम्पर्क व कम्प्यूटर क्रांति के प्रणेता, पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती देने वाले तथा देश की नीति के लिए प्राण गंवाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की जयंती पर कोटिश नमन! उनकी दूरदर्शिता और तकनीक प्रेम का लाभ आज पूरे देश को मिल रहा है।

कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला- देश के राजीव, ये थे श्री राजीव गांधी ! सबसे युवा प्रधानमंत्री, आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा, जिनकी दूरदर्शिता के फलस्वरुप ही देश कंप्यूटर-युग में प्रवेश कर सका। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन।

उपराष्ट्रपति चुनाव: एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन ने नॉमिनेशन भरा, प्रधानमंत्री मोदी पहले प्रस्तावक

शाह-राजनाथ, नड्डा भी मौजूद रहे; 9 सितंबर को चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने नामांकन दाखिल कर दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी पहले प्रस्तावक बने। नामांकन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेता मौजूद थे। नॉमिनेशन से पहले राधाकृष्णन ने संसद परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा पर फूल चढ़ाए।

17 अगस्त को हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनी थी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राधाकृष्णन के नाम का ऐलान किया था।

राधाकृष्णन का मुकाबला विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से होगा। खास बात है कि दोनों उम्मीदवार दक्षिण से हैं। रेड्डी 21 अगस्त को नामांकन करेंगे।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वापस ली जा सकती है। दरअसल, उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

अहमदाबाद में 10वीं के छात्र की चाकू मारकर हत्या

8वीं क्लास के स्टूडेंट ने दिया वारदात को अंजाम

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में सेवेंथ डे स्कूल में 8वीं कक्षा के एक छात्र ने 10वीं कक्षा के एक छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात मंगलवार दोपहर की है। घायल स्टूडेंट को अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां इलाज के दौरान देर शाम उसकी मौत हो गई। आरोपी छात्र शाह आलम इलाके का रहने वाला है।

2 हजार की भीड़ ने स्कूल घेरा, प्रिंसिपल समेत पूरे स्टाफ को पीटा छात्र की मौत के बाद करीब दो हजार की संख्या में गुस्साए सिंधी समुदाय के लोग, बजरंग दल, विहिप और एबीवीपी के कार्यकर्ता आज सुबह स्कूल पहुंच गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसके बाद भीड़ स्कूल में घुस गई और जो भी मिला, उसे पीटने लगी। लोगों ने पार्किंग में खड़ी बसों, कारों और दोपहिया वाहनों में तोड़फोड़ की।

आर्मी एरिया में पाकिस्तानी नंबरों पर बात करते हुए पकड़ा

15 दिन पहले मैनेजर पकड़ा गया था

जैसलमेर,एजेंसी। राजस्थान के जैसलमेर में जांच एजेंसियों ने एक और संदिग्ध को जासूसी के आरोप में पकड़ा है। इस बार कार्रवाई जैसलमेर-जोधपुर रोड के आर्मी एरिया में हुई है। आरोपी यहां के एक रेस्टोरेंट में काम करने आया था।वो पाकिस्तानी नंबरों पर किसी से बात कर रहा था। उसके मोबाइल में कई और पाकिस्तानी नंबर सेव मिले हैं। मंगलवार के पकड़े गए आरोपी जीवन खान (25) को पूछताछ के लिए संयुक्त जांच कमेटी को सौंपा जाएगा। इसी महीने जासूसी के आरोप में डीआरडीओ गेस्ट हाउस के मैनेजर को पकड़ा गया था।

सूत्रों के अनुसार जीवन खान 2-3 साल पहले आर्मी एरिया में ही किसी रेस्टोरेंट में काम करता था। वो अब वापस यहां काम करने के लिए आया हुआ था।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सीएम हाउस में हमला, सिर पर चोट

शस ने पहले कागज दिया, फिर मारा थप्पड़; आप,बीजेपी कांग्रेस सहित कई राजनीतिक दलों ने की निंदा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को एक शख्स ने हमला कर दिया। जिस समय रेखा गुप्ता पर हमला हुआ उस दौरान मुख्यमंत्री जनसुनवाई कर रहीं थीं। हमला करने के आरोप में 41 साल के एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जनसुनवाई में मौजूद एक शख्स ने थप्पड़ मारा और बाल पड़कर खींचने की कोशिश की।

आरोपी को सिविल लाइंस थाने ले गई पुलिस : मुख्यालय कार्यालय ने इस संबंध में कहा कि जनसुनवाई के दौरान एक व्यक्ति ने सीएम रेखा गुप्ता पर हमला किया। आरोपी को दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं, दिल्ली पुलिस ने बताया है कि मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हुए हमले के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर सिविल लाइंस पुलिस थाने ले जाया गया है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पहले कागज दिया फिर किया हमला : ताजा जानकारी के मुताबिक, हमलावर ने सबसे पहले रेखा गुप्ता को एक कागज दिया...इसके बाद उन पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने रेखा गुप्ता के साथ गाली-गलौज भी किया। घटना के बाद पुलिस के बड़े अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं।

दिल्ली बीजेपी ने की हमले की निंदा : दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र

सचदेवा ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि हमले के समय रेखा गुप्ता सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई कर रही थीं। पुलिस जांच से मामले का खुलासा होगा। वहीं, दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, मैं जनसुनवाई के दौरान सीएम पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। वह दिन-रात दिल्ली की चिंता करती हैं। यह प्रतिद्वंद्वियों की साजिश है, वे बर्दाश्त नहीं कर सकते कि एक सीएम घंटों जनता के बीच रहे अपने आवास पर लोगों से मिले। इसलिए, इसके पीछे एक राजनीतिक साजिश लगती है।

कांग्रेस ने की हमले की निंदा

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर मुख्यमंत्री आवास पर जनसुनवाई के दौरान हुए हमले की कांग्रेस ने कड़ी निंदा की है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि यह बहुत दुखद है। मुख्यमंत्री पूरी दिल्ली का नेतृत्व करती हैं और मुझे लगता है कि ऐसी घटनाओं की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है लेकिन यह घटना महिला सुरक्षा की पोल भी खोलती है। अगर दिल्ली की मुख्यमंत्री ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम आदमी या आम महिला कैसे सुरक्षित रह सकती है?।

केजरीवाल ने हमले की निंदा की

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रेखा गुप्ता पर हमले की निंदा की है। केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में विचारों का मतभेद और विरोध स्वीकार्य है, लेकिन हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं हो सकता। मुझे विश्वास है कि दिल्ली पुलिस उचित कार्रवाई करेगी। आशा है कि मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ हों।

राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने की निंदा : जनसुनवाई के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हमले पर राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा, यह बेहद गंभीर मामला है। यह बेहद चौंकाने वाला है कि किसी ने मुख्यमंत्री पर उस समय हमला किया जब वे जनसुनवाई कर रही थीं...यह उस व्यक्ति की हरकत हो सकती है जिसकी पार्टी/संगठन मुख्यमंत्री के काम करने और लोगों से मिलने के तरीके से खुश ना है...रेखा गुप्ता डरकर घर पर नहीं बैठेंगी...

गोवा के मंत्री अलेक्सियो सेक्केरा ने इस्तीफा दिया:कहा- स्वास्थ्य नहीं, व्यक्तिगत कारणों से मंत्रीपद छोड़ रहा हूं; मुख्यमंत्री का पूरा सपोर्ट मिला

सितंबर 2022 में सात अन्य विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हुए थे।

गोवा। के पर्यावरण, पोर्ट, कानून एवं न्यायपालिका तथा विधायी मामलों के मंत्री एलेक्सो सेक्केरा ने बुधवार को निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया। नुवेम से 68 साल के विधायक सेक्केरा ने पणजी में बुधवार दोपहर को मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को अपना त्यागपत्र सौंपा। नुवेम विधानसभा से विधायक 68 साल के एलेक्सो सेक्केरा नवंबर 2023 में सावंत के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे। अचानक इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा- मैं स्वास्थ्य कारणों से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे रहा हूं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान मुझे मुख्यमंत्री का भरपूर समर्थन मिला।

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जुड़े थे:सेक्केरा ने सितंबर 2022 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। नवंबर 2023 में निलेश काब्राल की जगह मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे। उन्होंने पत्रकारों से कहा- मैं निजी कारणों से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकाल के दौरान मुझे मुख्यमंत्री का पूरा सहयोग मिला।

यूथ कांग्रेस से की थी राजनीतिक करियर की शुरुआत:सेक्केरा ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत यूथ कांग्रेस से की थी और 1994 में पहली बार लौतोलिम से विधानसभा के लिए चुने गए। वह 1999 में विधानसभा के उपाध्यक्ष रहे और दिगंबर कामत सरकार में मंत्री भी रहे। साल 2008 में परिसीमन के बाद उन्होंने 2012 में नुवेम से चुनाव लड़ा लेकिन हार गए।

आर्मी चीफ और उनकी पत्नी अंगदान करेंगे : बोले- संदेश जाएगा एक सैनिक मृत्यु के बाद भी सेवा में खड़ा; दिल्ली के एक कार्यक्रम में संकल्प लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और उनकी पत्नी सुनीता द्विवेदी मृत्यु के बाद अंगदान करेंगे। दिल्ली के एक कार्यक्रम में बुधवार को दोनों ने इसका संकल्प लिया। आर्मी चीफ द्विवेदी ने कहा, सेना का कर्तव्य देश और समाज के कल्याण को प्राथमिकता देने का है। अंगदान इसका एक तरीका है।

सेनाध्यक्ष ने कहा:अगर हम अंगदान करते हैं, तो यह समाज के लिए संदेश होगा कि एक सच्चा सैनिक मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा के लिए खड़ा रहता है। कार्यक्रम में आर्मी चीफ ने बताया कि भारत अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) के मामले में दुनिया में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। यहां हर साल करीब 20000 ऑर्गन ट्रांसप्लांट होते हैं। उपेंद्र द्विवेदी बोले- युवा और सेना के अधिकारी अंगदान का संकल्प लें सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि नेशनल ऑर्गन डोनेशन और एलोकेशन प्रोग्राम में बदलाव किए गए हैं। अब महिला मरीजों और डोनर के परिवार के सदस्यों को अंग मिलने में प्राथमिकता दी जाएगी। यह एक अच्छी पहल है, जिससे अंगदान को बढ़ावा मिलेगा।

ऑनलाइन गेमिंग बिल पर कांग्रेस-भाजपा में ठनी

प्रियांक खरगे बोले- गलत नीति का मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार लोकसभा में आज ऑनलाइन मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल पेश करने जा रही है। इस पर कांग्रेस नेता और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए इसे एक और गलत नीति का मास्टरस्ट्रोक बताया है। प्रियांक खरगे ने चेतावनी दी कि इस कदम से सरकार को करों से होने वाली भारी आय का नुकसान, हजारों नौकरियों पर संकट और अरबों रुपये के विदेशी निवेश पर असर पड़ सकता है।

बैन से निवेशक पीछे हट जाएंगे- खरगे

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

लिखा, भारत को ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग (आरएमजी) से हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपये जीएसटी और आयकर के रूप में मिलते हैं। बैन से राज्यों की यह आय खत्म हो जाएगी। देश में 2000 से ज्यादा गेमिंग स्टार्टअप और 2 लाख से ज्यादा नौकरियां इस सेक्टर से जुड़ी हैं। बैन से भारतीय प्रतिभा और उद्यमिता विदेश चली जाएगी। पिछले 5 साल में इस सेक्टर में 23,000 करोड़ रुपये का एफडीआई (विदेशी निवेश) आया है। बैन से निवेशक पीछे हट जाएंगे। हर साल 7,000 करोड़ रुपये विज्ञापन, डाटा सेंटर, साइबर सुरक्षा और स्पॉन्सरशिप पर खर्च होते हैं, जो पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। प्रियांक खरगे ने कहा कि प्रतिबंध नहीं, बल्कि विनियमन ही सही रास्ता है।

मुंबई में लगातार तीसरे दिन स्कूल-कॉलेज, दतर रहे बंद

34 ट्रेनें कैंसिल, मोनोरेल से यात्रियों का रेस्क्यू; यूपी के 100 से ज्यादा गांवों में बाढ़

मुंबई,एजेंसी। मुंबई में तेज बारिश का बुधवार को तीसरा दिन है। 24 घंटे में यहां 300mm बारिश हुई। लगातार तीसरे दिन मुंबई में स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद रहे। मुंबई लोकल की 34 ट्रेनें (17 जोड़ी) कैंसिल हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा है। मंगलवार शाम मुंबई में 2 मोनोरेल से करीब 800 लोगों को रेस्क्यू किया गया। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे एक मोनोरल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई थी। इसमें मौजूद 582 यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से करीब 40-50 फीट की ऊंचाई से रेस्क्यू किया गया।

MMRDA ने बताया कि भीड़ बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ था। रेल की मूल वजन क्षमता 104 टन है, जो कल 109 टन हो गई थी। 5 टन ज्यादा वजन (यात्रियों का) हो गया था। वहीं, आचार्य अत्रे और वडाला मोनो रेल स्टेशन से भी 200 लोगों को निकाला गया था।

रेल में सवार यात्री सागर ने कहा- बिजली और एसी बंद होने से डिब्बों में घुटन होने लगी थी। बाहर बारिश हो रही थी और अंधेरा बढ़ रहा था। सबसे डरावना पल तब था, जब ट्रेन खतरनाक ढंग से झुक गई थी, हम दुआ कर रहे थे कि जिंदा बाहर निकल जाएं।

इधर, यूपी के फर्रुखाबाद में गंगा-रामगंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। यहां 100 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कानपुर में गंगा का जलस्तर डेंजर लेवल से सिर्फ 11cm दूर है। पिछले 24 घंटे में गंगा बैराज में 4cm पानी बढ़ा। यहां जलस्तर 114.79 मीटर तक पहुंचा है। 5 गांव में बाढ़ का पानी घुसा है।

महाराष्ट्र समेत 23 राज्यों में बारिश की संभावना

मौसम विभाग ने बुधवार को महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा तेलंगाना, बिहार में ऑरेंज अलर्ट और राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड समेत 18 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मुंबई सिटी के अलावा उपनगर ठाणे, चंद्रपुर, रायगढ़ और रत्नागिरी में रेड अलर्ट जारी किया गया है। अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र में तेज बारिश होने की संभावना है।

सीएम रेखा से पहले केजरीवाल पर हो चुके हैं इतनी बार हमले, 2011 में हुआ था पहला अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को उनके सरकारी आवास पर जन सुनवाई के दौरान एक 35 साल के व्यक्ति ने हमला कर दिया। जिसे दिल्ली पुलिस ने पकड़ लिया है। इस घटना की निंदा दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली कांग्रेस प्रमुख देवेंद्र यादव और आप नेता आतिशी ने भी की है। ऐसा पहली बार नहीं है जब किसी मुख्यमंत्री पर हमला हुआ हो। इससे पहले भी दिल्ली के मुख्यमंत्रियों पर हमले हो चुके हैं।

सीएम रेखा पर हुआ हमला : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री आवास पर जन सुनवाई के दौरान एक व्यक्ति ने हमला किया। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, हमलावर ने अचानक हमला किया। जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। दिल्ली पुलिस इसकी जांच कर रही है। आप नेता आतिशी ने भी इसकी निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह नहीं है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से पहले पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर भी हमले हो चुके हैं। अगर गिनें तो केजरीवाल पर अब तक लगभग 10 बार हमले हो चुके हैं। उन पर चुनाव रैली व प्रेस कांफ्रेंस के दौरान जूते, चप्पल, स्याही और अंडों से हमला हो चुका है।

अरविंद केजरीवाल पर कब-कब हुए हमले : 18 अक्टूबर 2011 को पहला हमला हुआ। नवाबों के शहर लखनऊ में केजरीवाल पर फेंकी गई चप्पल। 2011 में लखनऊ में एक बैठक के दौरान टीम अन्ना के सदस्य ने अरविंद केजरीवाल पर चप्पल से हमला किया था। चप्पल फेंकने वाले शख्स का नाम जीतेंद्र था।

2013: अरविंद केजरीवाल पर एक शख्स ने स्याही फेंककर हमला किया था। आरोपी ने खुद को बताया था अन्ना हजारे का सपोर्टर। आरोपी ने बताया था कि वह केजरीवाल से नाराज था क्योंकि उन्होंने अन्ना हजारे के आंदोलन को छोड़कर पार्टी बना ली। 5 मार्च 2014: हैदराबाद में केजरीवाल की गाड़ी पर पत्थर फेंकने की घटना। इस हमले में केजरीवाल बाल-बाल बच गए वरना उन्हें बड़ी चोट भी आ सकती थी। 25 मार्च 2014: लोकसभा चुनाव के दौरान वाराणसी में केजरीवाल पर स्याही और अंडे फेंके गए। 2014 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान केजरीवाल को सबसे ज्यादा विरोध पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में झेलना पड़ा था। यहां उन पर स्याही से लेकर अंडे तक फेंके गए थे।

28 मार्च 2014: हरियाणा में अन्ना हजारे के एक समर्थक ने केजरीवाल को थप्पड़ मारा। चुनाव प्रचार के दौरान ही केजरीवाल को एक शख्स ने थप्पड़ भी मारा था।

4 अप्रैल 2014: दिल्ली में एक रोड शो के दौरान केजरीवाल की पीठ पर एक शख्स ने मारने की कोशिश की। हालांकि वह शख्स कामयाब नहीं हो सका था।

8 अप्रैल 2014: दिल्ली के सुल्तानपुरी में एक ऑटो ड्राइवर ने केजरीवाल को थप्पड़ मारा। बाद में केजरीवाल उसके घर फूल भी लेकर गए थे। वह केजरीवाल से नाराज था और इसीलिए वह उसे मनाने गए थे।

सेवा में कमी के लिए एयरलाइन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के एक उपभोक्ता फोरम ने सेवा में कमी के लिए एलायंस एयर एविएशन लिमिटेड पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। फोरम ने कहा है कि उड़ान के प्रस्थान में छह घंटे की देरी यात्रियों के लिए मानसिक यातना थी। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (दक्षिण-पश्चिम) के अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता और सदस्य हर्षाली कौर ने दो महिलाओं द्वारा दायर एक शिकायत पर सुनवाई की, जिन्होंने 5 जून, 2022 को उड़ान के प्रस्थान में देरी के कारण मुआवजे की मांग की थी। फोरम ने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है कि देरी विपरीत पक्ष (एलायंस एयर) के नियंत्रण से परे कारणों से हुई हो। देरी लगभग छह घंटे की है। शिकायतकर्ताओं सहित यात्रियों को देरी के बारे में जानकारी नहीं दी गई थी। आदेश में कहा गया है कि एयरलाइन को यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराना चाहिए था जबकि पानी तक नहीं दिया गया। विमान के रखरखाव में विपक्षी पक्ष की ओर से लापरवाही बरती गई है क्योंकि विमान को उसके बे से बाहर धकेलने के बाद कथित तौर पर एक इंजीनियरिंग गड़बड़ी का पता चला।

दिल्ली हाईकोर्ट दिखा सख्तः अवैध निर्माण पर याचिकाओं से ब्लैकमेलिंग का खेल, डीसीपी को दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में निर्माण कार्यों को अवैध ठहराने के लिए दाखिल याचिकाओं के जरिए ब्लैकमेलिंग पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने ऐसी ही एक याचिका को खारिज करते हुए दक्षिणी पूर्वी जिले के डीसीपी को जांच का निर्देश दिया है। याचिका में अमरोहा निवासी आलिम ने दिल्ली के ओखला इलाके की संपत्ति पर अवैध निर्माण की शिकायत की थी। अदालत ने डीसीपी को निर्देशित करते हुए कहा कि वह इस तरह की याचिकाओं की जांच करें, जहां एक ही संपत्ति पर अलग-अलग व्यक्तियों द्वारा याचिकाएं दायर की जा रही हैं। कोर्ट ने कहा कि यह अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग है और इसे रोका जाना चाहिए। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने अपने फैसले में कहा कि मुरादाबाद के अमरोहा में रहने वाले याचिकाकर्ता आलिम का दिल्ली या संबंधित संपत्ति से कोई लेना-देना नहीं है। याचिका में जोगा बाई एक्सटेंशन, जामिया नगर ओखला स्थित संपत्ति पर अवैध निर्माण को रोकने और ध्वस्त करने की मांग की गई थी। लेकिन कोर्ट ने पाया कि इस संपत्ति पर तीसरी ऐसी याचिका है। प्रस्थान के लिए यात्रियों का लंबा इंतजार मानसिक यातना के अलावा और कुछ नहीं था। फोरम ने माना कि सेवा में कमी थी।

इससे पहले फातिमा बी और अफसाना ने भी इसी संपत्ति के खिलाफ याचिकाएं दायर की थीं, लेकिन उन्हें कभी अदालत में सूचीबद्ध नहीं कराया गया। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता के हलफनामे में दिल्ली में होने का कोई प्रमाण नहीं है। संपत्ति के मालिकों के वकील ने दावा किया कि ये याचिकाएं निर्माण करने वालों से पैसे ऐंठने के लिए दायर की जा रही हैं। एमसीडी ने की है संबंधित संपत्ति पर कार्रवाई ⁼म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) के वकील ने बताया कि संपत्ति पर अवैध निर्माण के खिलाफ 20 मई 2025 को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया था, 13 जून 2025 को ध्वस्तीकरण आदेश पारित हुआ और 10 जुलाई 2025 को आंशिक ध्वस्तीकरण किया गया। आगे की कार्रवाई 4 सितंबर 2025 को निर्धारित है। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने भी पुष्टि की है कि एमसीडी की कार्रवाई वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

50 करोड़ का लोन दिलाने का झांसा देकर 11 लाख ठगे

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका इलाके में एक कारोबारी को कारोबार के लिए 50 करोड़ रुपये का लोन दिलाने का झांसा देकर 11 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। जालसाजों ने पांच सितारा होटल में बैठक कर कारोबारी से पैसे लिए और वहां से भाग गए। पीड़ित कारोबारी की शिकायत पर द्वारका साइबर सेल ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस जालसाजों की तलाश में दबिश दे रही है।उन्होंने इसकी गहन जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन धमकियों से छात्र, अभिभावक और स्कूल प्रबंधन भय और असुरक्षा के माहौल में जी रहे हैं, जिससे उनकी मानसिक स्थिति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। यादव ने बताया कि 18 अगस्त को ही 32 स्कूलों को बम की धमकी मिली। जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों और इस वर्ष जनवरी से अगस्त तक 100 से अधिक स्कूलों को ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं। पिछले वर्ष मई 2024 से अब तक 300 से ज्यादा स्कूल और कॉलेज को धमकी ईमेल प्राप्त हुए हैं। उन्होने कहा, मुख्यमंत्री व उपराज्यपाल को गृहमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करनी चाहिए। सुरक्षा की जिम्मेदारी

पीड़ित कारोबारी मोहम्मद सलीम अपने परिवार के साथ उत्तम नगर वेस्ट में रहते हैं। साइबर सेल में दर्ज कराई प्राथमिकी में सलीम ने बताया कि उनकी उत्तम नगर में सूट बनाने की फैक्टरी है। वह अपने कारोबार को बढ़ाना चाहते थे इसलिए वह बैंक से लोन लेना चाहते थे। इस बात की जानकारी मिलने पर उनके पड़ोस में रहने वाली शेफाली नाम की महिला ने उन्हें समीर मिश्रा के बारे में बताया। समीर ने पीड़ित को 50 करोड़ तक का लोन दिलाने का आश्वासन दिया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी समीर ने बैंक कर्मियों से मिलवाने के लिए नई दिल्ली स्थित एक फाइव स्टार होटल में बैठक की जहां उसकी बैंक कर्मचारी बताकर कई लोगों से बातचीत करवाई। आरोपियों ने दस्तावेज और अन्य खर्चों के नाम पर पीड़ित से 11 लाख रुपए अपने अकाउंट में जमा करवा लिए। पैसे लेने के बाद आरोपी ने पीड़ित का फोन उठाना बंद कर दिया। फिर वह फरार हो गया। पीड़ित ने बताया कि जालसाज ने न ही उसे लोन दिलवाया और न ही उससे लिए 11 लाख रुपये ही वापस किए। पैसे मांगने पर आरोपी जान से मारने और झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रहा है। 11 अगस्त को पीड़ित ने साइबर सेल में आरोपी के खिलाफ शिकायत की।

दिल्ली के 50 स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली के स्कूलों को आज एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 50 स्कूलों को धमकी भरे ई-मेल भेजे गए हैं। नजफगढ़ के एक स्कूल और मालवीय नगर के एक अन्य स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

32 स्कूलों को मिल चुकी है धमकी: सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची है। अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। जानकारी के लिए बता दें कि बीते कुछ दिनों से दिल्ली के स्कूल और कॉलेजों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। बीते सोमवार को आई धमकी में पैसों की मांग भी की गई है।

पहली बार की गई पैसों की मांग : बीते सोमवार को दिल्ली के जिन 32 स्कूलों को धमकी भरे मेल मिले उन स्कूलों से 4,35,427.50 रुपये यानि 500 अमेरिकी डॉलर की मांग की गई थी। पैसे नहीं देने पर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इससे पहले स्कूलों व कॉलेजों समेत कई शैक्षणिक संस्थानों को मिले धमकी भरे मेल में पैसे की मांग नहीं की गई थी। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के 32 स्कूलों यानि दक्षिण जिले के 7, दक्षिण-पश्चिमी जिले के 13, द्वारका के 11 और मध्य जिले के 1 स्कूल को बम से उड़ाने के धमकी भरे मेल मिले थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी स्कूलों को मिले मेल एक जैसे हैं और सभी जी मेल आईडी से भेजे गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मेल भेजने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया गया है। इसका इस्तेमाल करने से मेल भेजने के बाद आईपी एड्रेस किसी भी देश का बन जाता है। स्पेशल सेल के पुलिस उपायुक्त अमित कौशिक ने बताया कि वीपीएन का अभी तक कोई तोड़ नहीं हैं। वीपीएन प्रोवाइड करने वाली एजेंसियां इसकी डिटेल नहीं देती है। गूगल की जानकारी देने से मना किया...वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गूगल से जब धमकी भरे मेल भेजने के बाद जानकारी मांगी गई तो जानकारी देने से मना दिया है। गूगल ने सिर्फ इतना बताया कि धमकी भरे मेल विदेशी आईपी एड्रेस से भेजे गए हैं।

दहशत फैलाना हो सकता है उद्देश्य : दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का इसके पीछे हाथ है। आईएसआई की ये मंशा हो सकती है कि धमकी भरे मेल भेजने से एक तो स्कूलों, प्रशासन व सुरक्षा एजेंसियों में दशहत फैलेगी, दूसरा धमकी भरे मेलों से सुरक्षा एजेंसियां बिजी होंगी व रिसोर्स खत्म होंगे।

कांग्रेस ने की जांच कराने की मांग : प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने स्कूलों व कॉलेजों को लगातार मिल रही बम धमकियों पर चिंता जताई है।

दिल्लीवाले मांगे विकासः इस गांव में नहीं हैं मूलभूत सुविधाएं, स्कूल से अस्पताल तक की भी सुविधा नहीं

पूर्वी दिल्ली, एजेंसी। चौड़ी गली है, उधर कार भी आती है और कार के साथ-साथ ट्रक भी आता है, लेकिन चुनाव के बाद सरकार नहीं आती है। यह पंक्ति पुराना उस्मानपुर गांव पर सटीक बैठती है। आजादी के 78 साल बाद भी राजधानी का यह गांव मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहा है। गांव में न तो पीने के लिए पानी है और न ही रात गुजारने के लिए बिजली की पर्याप्त सप्लाई।

लोगों का आरोप है कि तमाम शिकायतों के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। मंगलवार को आयोजित संवाद कार्यक्रम में निवासियों ने गांव की समस्याओं को साझा किया। संवाद कार्यक्रम में ब्रह्म प्रकाश, अनिल चौधरी, योगेश चौधरी, सचिन चौधरी, नरेंद्र चौधरी, योगेश डेढ़ा, बंटी चौधरी, चौधरी इच्छा राम समेत अन्य लोगों ने बताया, यमुना किनारे बसे इस गांव में पहले खेती होती थी, लेकिन सरकारी दांव पेंच के बाद उन्हें खेती करने से वंचित कर दिया गया। गांव में 15 साल से सड़क का निर्माण नहीं किया गया है। गांव के रास्ते कच्चे हो गए हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि यहां पीने के लिए पानी की सप्लाई नहीं होती है। लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। महिलाएं दूर का सफर तय करके दूसरी जगहों से पानी भरकर लाती हैं या फिर पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। इसके अलावा तालीम हासिल करने के लिए गांव में एक भी स्कूल नहीं है। बच्चों को पढ़ाई करने के लिए अन्य गांव जाना पड़ता है। वहीं, बीमार होने पर लोगों को दूसरे गांव जाना पड़ता है। यहां गांव में उपचार के लिए एक भी डिस्पेंसरी नहीं है। स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन पर मुसीबतें टूट पड़ती हैं। गांव में एक भी बारात घर नहीं है। शादी-विवाह के लिए भी दूसरे गांव या कॉलोनी पर आश्रित रहना पड़ता है या फिर सड़कों पर टेंट लगाना पड़ता है।- योगेश, निवासी गांव में चारों तरफ गंदगी फैली हुई है। गांव में साफ-सफाई करने के लिए एक भी कर्मचारी नहीं आते हैं। लोग खुद ही साफ-सफाई करते हैं।- सचिन चौधरी निवासी नालियों में गाद जमी हुई है। कई वर्षों से नाली के अंदर से गाद नहीं निकाली गई है। बारिश के दौरान गांव में जलभराव हो जाता है।- ब्रह्म प्रकाश, निवासी जल बोर्ड की ओर से जो टैंकर आता है वह गांव तक नहीं पहुंच पाता है। रास्ते में ही झुग्गी झोपड़ी वाले रोककर पानी भर लेते हैं। गांव में पानी किल्लत है।- नरेंद्र चौधरी, निवासी

बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होंगे आम चुनाव, कानून सलाहकार बोले- अंतरिम सरकार तैयारियों में जुटी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनाव फरवरी 2026 में ही होंगे। अंतरिम सरकार ने चुनाव को लेकर तैयारी तेज कर दी है। अंतरिम सरकार के कानून सलाहकार आसिफ नजरूल ने कहा कि सरकार फरवरी में आम चुनाव कराने की प्रतिबद्धता पर अडिग है। सरकार चुनाव की सभी तैयारियों के साथ आगे बढ़ रही है। चुनाव फरवरी में होंगे और इस पर सरकार का रुख अटल है। अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरूल ने कहा कि राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के समय के बारे में बयान देना राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। आपने यह हमेशा देखा है। बांग्लादेश में पारंपरिक रूप से ऐसे राजनीतिक बयान दिए जाते रहे हैं और अब भी यही हो रहा है। इस विमर्श में कोई बड़ा गुणात्मक परिवर्तन नहीं आया है। इसलिए चुनाव के समय के बारे में जो कुछ भी कहा जाता है, उसे राजनीतिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। नजरुल ने कहा कि चुनाव कराने की जिम्मेदारी सरकार की है, किसी राजनीतिक दल की नहीं। सरकार की ओर से हम स्पष्ट शब्दों में कह रहे हैं कि चुनाव फरवरी में पूरे हो जाएंगे। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वैश्विक स्तर पर सम्मानित व्यक्ति हैं और उनकी प्रतिबद्धता से भटकने का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि चुनाव घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है कि जब हाल ही में नेशनल सिटीजन पार्टी के नेताओं ने बयान दिया था कि अगले साल फरवरी में चुनाव बिना महत्वपूर्ण सुधारों और अंतरिम सरकार द्वारा शुरू किए गए मुकदमों के पूरा होने के बिना होने की संभावना को खारिज कर दिया गया था।

पिछले साल अवामी लीग की गिर गई थी सरकारः जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गईं। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने देश में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने का वादा किया था। पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में राजनीतिक दल नए सिरे से आम चुनाव कराने की मांग कर रहे थे।

मुहम्मद यूनुस ने फरवरी 2026 में चुनाव की घोषणा कीः बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस फरवरी 2026 में आम चुनाव होंगे।

ट्रंप प्रशासन की खुफिया विभाग के अफसरों पर बड़ी कार्रवाई, 37 अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने खुफिया विभाग के अफसरों पर बड़ी कार्रवाई की हैं। प्रशासन ने खुफिया विभाग के 37 मौजूदा और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द की है। मंगलवार को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की ओर से जारी पत्र में इन अफसरों तमाम आरोप लगाए गए हैं। पत्र में अधिकारियों पर व्यक्तिगत या पक्षपातपूर्ण लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए खुफिया जानकारी का गलत इस्तेमाल करने, जानकारी की सुरक्षा करने में विफल रहने, पेशेवर विश्लेषणात्मक व्यापार मानकों का पालन न करने और अन्य असंगत हानिकारक आचरण करने का आरोप लगाया गया है। हालांकि आरोपों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया गया है। तुलसी गबार्ड ने कहा कि सुरक्षा मंजूरी मिलना एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। खुफिया विभाग के वे लोग जिन्होंने संविधान के प्रति अपनी शपथ तोड़ी और अपने हितों को अमेरिकी लोगों से आगे रखा, उन्होंने उस पवित्र विश्वास को तोड़ा है जिसे बनाए रखने का उन्होंने वादा किया था। जिन अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द की गई है, उनमें से कई ने वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा पदों और निचले स्तर पर काम करने के बाद कई साल पहले सरकार छोड़ दी थी। जबकि कुछ ने ऐसे मामलों पर काम किया जो ट्रंप को लंबे समय से नाराज कर रहे थे। इसमें 2016 में अमेरिकी चुनाव में रूस के हस्तक्षेप की बात छिपाने वाले अफसर भी शामिल हैं। इस कार्रवाई में जिन लोगों को निशाना बनाया गया, उनमें से कुछ बाइडेन की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम का हिस्सा थे। सूची में शामिल दो पूर्व सरकारी अधिकारियों ने बताया कि कई लोगों को मंगलवार को समाचार रिपोर्टों से ही गबार्ड की कार्रवाई के बारे में पता चला। दोनों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वे कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं। यह कार्रवाई ट्रंप प्रशासन उस अभियान का हिस्सा है, जिसके तहत वह कथित विरोधियों के खिलाफ सरकार का नियंत्रण अपने हाथ में लेना चाहता है। यह राष्ट्रपति के उन खुफिया अधिकारियों के प्रति अविश्वास को दिखाता है।

नेपाल में आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक, सेरोगेसी पर भी पाबंदी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और सरोगेसी प्रथाओं पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में।अंतिम फैसला नहीं आने तक देश के सभी आईवीएफ क्लिनिक को बंद करने और सेरोगेसी पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट की एकल खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश दिया है। जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की एक एकल पीठ ने निःसंतान दंपतियों के लिए चलाए जा रहे आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर रोक लगा दी है। वोंच्च अदालत ने अपने फैसले में संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे महिलाओं के डिंब संग्रह, भंडारण और प्रत्यारोपण की अनुमति तब तक न दें जब तक कि रिट को अंतिम रूप नहीं दिया जाता। इसी तरह, अदालत ने सेरोगेसी की चल रही प्रथा की प्रभावी सरकारी निगरानी को लेकर सरकार को 15 दिनों के भीतर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता अंकिता त्रिपाठी कोर्ट में एक रिट दायर की थी जिसमें तर्क दिया गया है कि आईवीएफ क्लीनिकों की बढ़ती संख्या के बावजूद, शुक्राणु और अंडा दान, भ्रूण उपयोग और सरोगेसी जैसे संवेदनशील मुद्दों की निगरानी करने के लिए कोई व्यापक कानून नहीं है। इस रिट में यह भी कहा गया था कि एक ही दाता का उपयोग करने वाले कई क्लीनिकों, सहमति के बिना आनुवंशिक सामग्री का उपयोग और सरोगेसी को निरंतर बढ़ावा देता है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सेरोगेसी को लेकर पहले भी आदेश जारी किया जा चुका है जिसमें सरोगेसी को एक व्यापार के रूप में निषिद्ध किया गया है। अधिवक्ता त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में बांझपन प्रबंधन सेवाओं पर स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय के नए शुरू किए गए दिशा-निर्देश अपर्याप्त बताते हुए ठोस कानून बनाए की तरफ ध्यानाकर्षण किया है। हाल ही में नेपाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईवीएफ क्लिनिक के संचालन को लेकर एक दिशा-निर्देश जारी करते हुए 20 से 35 वर्ष उम्र के पुरुष और महिलो को अंडानुनौर शुक्राणु का दान करने की छूट दी थी। इस कानून की आड़ में कम उम्र की लड़कियों और लड़कों को पैसे का लालच देकर डिंब और शुक्राणु दान का व्यापार होने की आशंका को लेकर रिट दायर की गई थी। सार ने ऑस्ट्रेलिया स्थित इस्राइली दूतावास को यह भी निर्देश दिया कि वह ऑस्ट्रेलिया से इस्राइल के लिए आने वाले किसी भी आधिकारिक वीजा आवेदन की सावधानीपूर्वक जांच करे। ऑस्ट्रेलिया की विपक्षी पार्टी ने वादा किया है कि अगर वह 2028 में होने वाले अगले चुनाव में जीत जाती है तो वह फलस्तीन को दी गई ऑस्ट्रेलिया की मान्यता को रद्द कर देगी। विपक्षी नेता सुसैन ले ने कहा कि इस्राइल के साथ बिगड़ते द्विपक्षीय संबंधों का मेरिका के साथ संबंधों पर पड़ रहा है।

नई एक्साइज और ईवी नीति के लिए बनाईं दो उच्चस्तरीय समितियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में पारदर्शिता, सामाजिक सुरक्षा और जनहित को केंद्र में रखते हुए एक्साइज नीति और इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) नीति के पुनर्गठन के लिए दो उच्चस्तरीय समितियों के गठन की घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह कदम जनविश्वास, पारदर्शी शासन और विकास की दिशा में उनकी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चर्चा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि हम भारतीय सेना का सम्मान करते हैं लेकिन हमें यह जानने का अधिकार है कि जब सैन्य जीत संभव थी तब राजनीतिक नेतृत्व ने क्यों कदम पीछे खींचे। देश के नागरिकों को जवाब चाहिए कि क्या भारत ने अंतरराष्ट्रीय दबाव में आकर यह निर्णय लिया। आतिशी ने यह भी कहा कि भाजपा को हर सवाल को राष्ट्रविरोध की तरह देखना बंद करना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना गुनाह नहीं है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आखिर आम आदमी पार्टी को ऑपरेशन सिंदूर से समस्या क्या है। यह सेना और नारी गरिमा की रक्षा का ऐतिहासिक क्षण था। राजनीतिक आरोपों की आड़ में सेना की छवि को कमजोर नहीं किया जा सकता। इस बीच भाजपा विधायक मारवाह ने आप विधायकों की टोका-टाकी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि हम गुंडागर्दी भी करेंगे और पिटाई भी करेंगे। इसको लेकर भी सदन में तीखी प्रतिक्रिया हुई। अध्यक्ष ने इस बयान को कार्यवाही से हटाने का आदेश दिया। वहीं भाजपा विधायकों ने कहा कि भारत ने घर में घुसकर मारा है और ऑपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में कोई बड़ी आतंकी घटना नहीं हुई है।

पानी नहीं देने पर इंजीनियर ने की पत्नी की हत्या, मां के साथ मिलकर जलाया

कंबल में लपेटकर कार से प्रयागराज ले गया शव

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में एलएंडटी कंपनी के इंजीनियर ने पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद कंबल में शव लपेटकर कार से प्रयागराज ले गया। सबूत मिटाने में मां ने भी उसका साथ दिया। वहां दोनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। घटना 15 अगस्त की है। पुलिस ने आरोपी पति निखिल दुबे और उसकी मां दुरेदश्वरी देवी को प्रयागराज के शास्त्री नगर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान निखिल ने बताया कि पानी मांगने पर पत्नी आभ्या से कहासुनी हुई थी। गुस्से में पत्नी के सिर को किचन के प्लेटफॉर्म पर पटक कर उसकी हत्या कर दी।

कोर्ट ने आरोपियों को भेजा जेल: पुलिस ने बताया कि आरोपी इंजीनियर की मां दुरेदश्वरी देवी ने शव को ठिकाने लगाने और सबूत मिटाने में उसकी मदद की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा 103(1), 238, 3(5) के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मायके वालों घर पहुंचे तो ताला लगा मिला: विंध्य नगर टीआई अर्चना द्विवेदी के मुताबिक, 15 अगस्त को फतेहपुर से सुनील दुबे ने फोन पर सूचना दी कि उनके दामाद निखिल दुबे ने उन्हें अपनी बेटी की मौत की जानकारी दी है। जब मायके वालों ने इलाहाबाद (प्रयागराज) जाकर पता किया तो घर में ताला लगा था। इसके बाद उन्होंने पुलिस को विंध्य नगर में निखिल के आवास की जांच करने के लिए कहा। पुलिस ने निखिल के आवास का ताला तोड़कर जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला।

पुलिस को कंपनी के जीएम से मिली जानकारी: इसी दौरान पुलिस को कंपनी के एचआर जीएम से जानकारी मिली कि निखिल ने वॉट्सऐप कॉल पर बताया था कि उसने अपनी पत्नी का अंतिम संस्कार प्रयागराज के शंकरघाट स्थित इलेक्ट्रिक शवदाह गृह में किया है। पुलिस टीम तुरंत प्रयागराज पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया। जांच में यह सामने आया कि निखिल अपनी पत्नी का शव कंबल में लपेटकर कार की पिछली सीट पर रखकर प्रयागराज ले गया था। उसने सीसीटीवी से बचने के लिए कार के शीशों पर पर्दा भी लगा रखा था।

खेत में अकेली महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के सीधी थाना क्षेत्र में एक 30 वर्षीय विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला सुबह अपने खेत में निंदाई कर रही थी। इस दौरान पड़ोसी मनीष खान ने महिला को अकेला देखकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर घर पहुंची। उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद महिला ने साहस जुटाकर महिला थाना शहडोल में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जीरो में अपराध दर्ज किया। केस डायरी सीधी थाना पुलिस को सौंपी गई।

सीधी थाना पुलिस ने आरोपी मनीष खान को हिरासत में लिया। उसके खिलाफ धारा 64(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। शहडोल एएसपी अभिषेक दिवान ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आगे की वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

बिजली लाइन में अचानक करंट आने से कर्मचारी की मौत, तार की मरम्मत कर रहे थे; करंट की चपेट में 2 अन्य घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा हुआ। चुरहट थाना क्षेत्र के ग्राम पचोखर में बिजली सुधार कार्य के दौरान आउटसोर्स कर्मचारी लेखराज पटेल की मौत हो गई। दो अन्य कर्मचारी घायल हो गए। घटना दोपहर करीब 1 बजे की है। लेखराज पटेल गांव में खराब बिजली के तार की मरम्मत कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी सुखेंद्र पटेल के अनुसार, काम के दौरान बिजली लाइन बंद थी। अचानक लाइन में करंट आ गया। लेखराज इसकी चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

घायल कर्मचारियों को पहले चुरहट अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर दोनों को रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। चुरहट के एसडीओपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि मृतक का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। मृतक लेखराज पटेल अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। ग्रामीणों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनकी मांग है कि जांच कर यह पता लगाया जाए कि बंद लाइन में करंट कैसे आया।

शहडोल-रीवा मार्ग पर शुरू हुए 2 टोल प्लाजा

कमर्शियल वाहनों को देना होगा टोल टैक्स, अगले महीने लागू होगी नई व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड ने रीवा-ब्यौहारी-टेक्का मोड़ मार्ग पर टोल टैक्स वसूली शुरू कर दी है। राज्य राजमार्ग क्रमांक 57 पर स्थित करकी टोल प्लाजा पर 16 अगस्त 2025 से टोल संग्रहण का कार्य प्रारंभ हो गया है।

टोल प्लाजा के पहले हिस्से में किमी 0 से 72 तक हल्के व्यावसायिक वाहनों से 130 रुपये, ट्रक से 320 रुपये और मल्टी एक्सल ट्रक से 645 रुपये प्रति यात्रा वसूले जाएंगे। दूसरे हिस्से में किमी 72 से 111.500 तक हल्के व्यावसायिक वाहनों से 70 रुपये, ट्रक से 175 रुपये और मल्टी एक्सल ट्रक से 355 रुपये लिए जाएंगे। टोल प्लाजा का पहला हिस्सा ग्राम मझा, तहसील ब्यौहारी में किमी 70.250 पर है। दूसरा हिस्सा ग्राम करकी, तहसील जयसिंहनगर में किमी 106.300 पर स्थित है। ये दरें 31 अगस्त 2025 तक प्रभावी रहेंगी।

वर्तमान में यह शुल्क केवल कमर्शियल वाहनों से लिया जा रहा है। प्राइवेट गाड़ियों को अभी छूट दी गई है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि टोल टैक्स से उनकी दैनिक यात्रा महंगी हो जाएगी। सड़क विकास निगम के अनुसार बेहतर सड़क सुविधा और रखरखाव के लिए टोल वसूली आवश्यक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अभी शहडोल-रीवा मार्ग का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। स्थानीय वाहनों को छूट या राहत संबंधी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं की गई है।

शासकीय स्कूलों में हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल की त्रैमासिक परीक्षा समय सारणी जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश के शासकीय स्कूलों में इस वर्ष कक्षा 9 से कक्षा 12वीं तक की त्रैमासिक परीक्षाएं 28 अगस्त से शुरू हो रही है। इस संबंध में आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने समस्त संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को दिशा निर्देश जारी किये है। परीक्षाएं हाई-हायर सेकण्डरी स्कूल की 28 अगस्त से शुरू होंगी। यह परीक्षाएं 9 सितम्बर तक सम्पन्न हो जायेंगी। त्रैमासिक परीक्षा के प्रश्न पत्र विमर्श पोर्टल पर भेजे जायेंगे। इससे राज्य स्तर पर परीक्षा पेपर की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सकेंगी।

निर्देशों में कहा गया है कि अभिभावकों और शिक्षकों की मीटिंग (पीटीएम) आयोजित करने के लिये कहा गया है। यह मीटिंग सभी स्कूलों में 16 सितम्बर को होंगी। मीटिंग में बच्चों के अभिभावकों को उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन कराया जायेगा। इस व्यवस्था के लिये संयुक्त संचालक एवं जिला शिक्षा अधिकारी को अलग-अलग दल गठित कर न्यूनतम 10-10 स्कूलों का निरीक्षण करने के लिये कहा गया है। त्रैमासिक परीक्षा के परिणाम 20 सितम्बर तक विमर्श पोर्टल पर प्रविष्ट करने के लिये भी कहा गया है। परीक्षा की समय सारणी स्कूलों के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने के लिये भी कहा गया है।

शैक्षणिक सत्र वर्ष 2026-27 में अपार आईडी होगी अनिवार्य: माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हाई स्कूल और हायर सेकण्डरी परीक्षा सत्र वर्ष 2026-27 अपार आईडी व्यवस्था अनिवार्य की गई है। मण्डल की समस्त परीक्षाओं के फॉर्म में यूडीआईएसई पोर्टल पर आधारित विद्यार्थियों के लिये स्थाई शैक्षणिक आईडी (अपार) ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउण्ट को अनिवार्य किया गया है। इस शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 के लिये कक्षा 9वीं से 12 में भरे जाने वाले आवेदन पत्रों में अपार आईडी को वैकल्पिक किया गया है। आगामी सत्र वर्ष 2026-27 में यह व्यवस्था अनिवार्य होगी।

49 हजार में खरीदा फोन नकली निकला, महिला से आईफोन की धोखाधड़ी; कहा- 8 महीने से न्याय के लिए भटक रही हूं

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एक ब्यूटी पार्लर चलाने वाली महिला के साथ आईफोन की खरीद में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। संतोषी साकेत ने क्लासिक मोबाइल शॉप से 49 हजार 700 रुपए में आईफोन खरीदा था। फोन में कई फीचर्स काम नहीं करने पर उन्होंने जबलपुर स्थित आईफोन सर्विस सेंटर में चेक कराया। सर्विस सेंटर ने बताया कि फोन का बाहरी कवर आईफोन का है, लेकिन अंदर का सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर नकली हैं। फोन में ब्लूटूथ, वाईफाई और कैमरा सही तरीके से काम नहीं कर रहा। सर्विस सेंटर ने फोन वापस कर दिया और दुकान से संपर्क करने की सलाह दी।

पिछले 8 महीने से पीड़िता दुकानदार से फोन की मरम्मत या बदलने की मांग कर रही है। दुकानदार के अभद्र व्यवहार के बाद उन्होंने बैढ़न थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है। एडवोकेट अन्नू पटेल के अनुसार, इस धोखाधड़ी के मामले में दो तरह से कार्रवाई संभव है। पीड़िता पुलिस थाने और उपभोक्ता फोरम के माध्यम से न्याय पा सकती है। उपभोक्ता को ठगी के मामले में फोरम में आवेदन करने का अधिकार है।

इसी मामले में आरोपी दुकानदार जयप्रकाश साहू से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने अपनी व्यस्तता का हवाला देकर बात करने से फिलहाल इनकार कर दिया। दुकानदार बोले- यह गलत है मेरे खिलाफ साजिश हो रही है

पुलिस विभाग में फेरबदल, 5 सब इंस्पेक्टर को मिली नई जिम्मेदारी; खैरहा थाना प्रभारी अब संभालेंगे क्राइम ब्रांच

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। पुलिस विभाग में देर रात 5 सब इंस्पेक्टरों के तबादले किए गए। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए यह आदेश जारी किए। खैरहा थाना प्रभारी दिलीप सिंह को क्राइम ब्रांच शहडोल का प्रभारी बनाया गया है। वे पिछले 3 साल 3 महीने से खैरहा थाने में तैनात थे। उनकी जगह बुढार थाने के सब इंस्पेक्टर उमाशंकर चतुर्वेदी को खैरहा थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। चतुर्वेदी इससे पहले भी खैरहा थाना प्रभारी रह चुके हैं।

अन्य तबादलों में सब इंस्पेक्टर श्याम सिंह को ब्यौहारी से अमलाई भेजा गया है। सब इंस्पेक्टर गंगा सिंह मार्को का स्थानांतरण पुलिस लाइन से कोतवाली किया गया है। सब इंस्पेक्टर सुरेश रैदास को कोतवाली से ब्यौहारी भेजा गया है। दिलीप सिंह का कार्यकाल विशेष रहा है। वे जिले के एकमात्र थाना प्रभारी हैं जिन्होंने एक ही थाने में रहते हुए पंचायत, विधानसभा और लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक कराए। उन्हें उनकी मांग पर स्थानांतरित किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ये तबादले जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और प्रशासनिक जरूरतों को देखते हुए किए गए हैं।

"एक बगिया मां के नाम" परियोजना, फलोद्यान बगिया विकास में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने दिखाया विशेष उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्व सहायता समूह की महिलाओं को समृद्ध बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नवाचारों के माध्यम से महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत प्रदेश में ष्एक बगिया मां के नामष् परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फ्लोद्यान की बगिया लगाई जाएगी। फ्लोद्यान की बगिया लगाने को लेकर समूह की महिलाओं ने विशेष उत्साह का दिखाया है। प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य से अधिक 34 हजार 84 महिलाओं ने एक बगिया मां के नाम ऐप पर पंजीयन कराया है। परियोजना के अंतर्गत सरकार हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान कर रही है। योजनान्तर्गत प्रदेश में फ्लदार पौधे लगाने का कार्य भी शुरू हो गया है।

एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने वाली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं का चयन एक बगिया मां के नाम ऐप से किया जा रहा है। ऐप का निर्माण मनरेगा परिषद द्वारा कराया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति-पिता-ससुर-पुत्र की भूमि पर उनकी सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जा सकेगा।

पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से किया जा रहा पौधरोपण: प्रदेश में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया गया है। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर की मदद से ही भूमि का परीक्षण किया गया है।

पानी टंकी निर्माण पर रोक, धरने पर बैठे लोग

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कोतमा नगर परिषद के वार्ड नंबर 10 में कॉलेज चौराहा के पास शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए ओवर हेड टैंक का निर्माण कार्य रोक दिया गया है। इस कार्रवाई से नाराज होकर पूर्व पार्षद और वार्डवासी धरने पर बैठ गए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर पुलिस बल और नगर पालिका प्रशासन के अधिकारी पहुंचे हैं। वे प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रदीप झरिया ने कहा कि यह स्थान पानी टंकी निर्माण के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, प्रशासन की लापरवाही स्पष्ट है। निर्माण शुरू करने से पहले स्थल का मुआयना किया जाना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि जिस स्थान पर टंकी का निर्माण प्रारंभ किया गया, उसके पास स्थित सरकारी आईटीआई को गोफ एरिया का हवाला देकर अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है। अब निर्माण कार्य शुरू होने के बाद रोक लगाने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

सिंगरौली में शुरू हुई डायल 112 सेवा, 20 नई गाड़ियां पहुंचीं; एसपी बोले- अब से थानों में होंगी तैनात

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बुधवार से डायल 112 की सुविधा शुरू कर दी गई है। मध्य प्रदेश में 15 अगस्त से शुरू की गई डायल 112 सेवा अब सिंगरौली में भी उपलब्ध होगी। जिले में 20 नई गाड़ियां पहुंच चुकी हैं। इन गाड़ियों को बुधवार शाम 5 बजे एक खास कार्यक्रम के बाद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में भेजा जाएगा।

पहले डायल 100 नाम से होती थी संचालित: पहले यह सेवा डायल 100 के नाम से संचालित होती थी। पुरानी गाड़ियां खराब हालत में थीं। कई बार वाहन रास्ते में रुक जाते थे या धक्का देकर स्टार्ट करने पड़ते थे। इससे लोगों को समय पर मदद नहीं मिल पाती थी।

टेस्टिंग के बाद पूजा-अर्चना कर थाने में भेजा जाएगा: एसपी मनीष खत्री ने बताया कि नई गाड़ियां आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। सभी वाहनों में ट्रैकिंग सिस्टम लगा है। इनमें प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा भी उपलब्ध है। गाड़ियों की टेस्टिंग के बाद पूजा-अर्चना कर इन्हें थाना क्षेत्रों में भेजा जाएगा। नई गाड़ियों के आने से इमरजेंसी में लोगों को तुरंत मदद मिल सकेगी। पुलिस प्रशासन का मानना है कि इस सेवा से जरूरतमंद लोगों तक समय पर मदद पहुंचाई जा सकेगी।

मोटर परिवहन कार्य में संलग्न कर्मकार चालक, क्लीनर एवं सहयोगी स्टाफका स्वास्थ्य परीक्षण 27 अगस्त को

सीधी। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक 265/2012 एस.एस.राजेशखरन बनाम यूनियन ऑफइण्डिया में पारित आदेश 17 अप्रैल 2025 में पारित आदेश के परिपालन में मोटर परिवहन कार्य में संलग्न कर्मकारों का नियमित स्वास्थ्य विशेषकर नेत्र परीक्षण किए जाने हेतु निर्देश हैं।

निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम, सतना स्थित समहापौरद्दुकक्ष में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक बुलाई। जिसमें कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं कनिष्क यंत्री उपस्थित रहे। इस बैठक के माध्यम से निर्माण कार्यों की समीक्षा हुई। निर्माण कार्यों का बारीकी से अवलोकन करते हुए मैंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि- निर्माण कार्य समय-सीमा के भीतर पूर्ण हों। गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। कमियों को तत्काल दुरुस्त किया जाए।

महाभियोग की नौबत

संपादकीय

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की नौबतज्यकीनन संविधान और लोकतंत्र के लिए एक भयावह, चुनौतीपूर्ण और अस्वीकृति की स्थिति है। संवैधानिक व्यवस्था में यह नौबत क्यों आनी चाहिए? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त शारीरिक और मानसिक तौर पर अक्षम हो गए हैं? क्या उनकी साख और निष्पक्षता निर्णायक तौर पर सवालिया अथवा आशंकित हो गई है? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ भ्रष्टाचार अथवा पक्षपात के आरोप कानूनन साबित हो चुके हैं और अदालत ने फैसला सुना दिया है? विपक्ष की राजनीति के मद्देनजर महाभियोग की नौबत भी पक्षपाती है। विपक्ष के 'वोट चोरी' के आरोप ही पर्याप्त नहीं हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया संसद में शुरू की जाए। किसी भी संवैधानिक संस्था या पदासीन अधिकारी के खिलाफ महाभियोग मोहभंग और अस्वीकृति की पराकाष्ठा है। यह नौबत ही क्यों आनी चाहिए? यदि राजनीतिक नेतृत्व और प्रतिनिधित्व का एक ही पक्ष महाभियोग की बात करने लगे, तो वह उस संवैधानिक संस्था अथवा अधिकारी के प्रति दुराग्रह की भावना है। निश्चित तौर पर उसकी पृष्ठभूमि में प्रतिशोध का भाव भी निहित होगा। एक पक्ष के पूर्वाग्रहों से संवैधानिक और संसदीय व्यवस्थाएं नहीं चल सकतीं। कुछ उदाहरण सामने हैं। अप्रैल, 2018 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव विपक्ष ने राज्यसभा में दिया। आरोप खोखले, कुत्सित और पूर्वाग्रही थे, लिहाजा ऐसे ही कुछ आधारों पर तत्कालीन सभापति वेंकैया नायडू ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसी तरह तत्कालीन उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ राज्यसभा में ही कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने महाभियोग का नोटिस दिया। प्रस्ताव में उन्हें पक्षपाती करार दिया गया कि वह विपक्ष को उसका पक्ष रखने को पर्याप्त समय नहीं देते हैं। बहरहाल अपरिहार्य आधार पर वह प्रस्ताव भी खारिज हो गया, लेकिन इस अंतराल में, मीडिया के विभिन्न प्रारूपों में, इन संवैधानिक हस्तियों के खिलाफ जो कुछ लिखा या कहा गया, यकीनन उनकी शख्सियत पर कीचड़ उछाले गए, उसकी भरपाई कौन करेगा? अब बारी मुख्य चुनाव आयुक्त की है। सोशल मीडिया पर उन्हें 'केंचुआ' करार दिया जा रहा है। क्या यह उपमा उचित है? बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 (5) में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की व्यवस्था दी गई है, लेकिन 'महाभियोग' शब्द का कहीं भी उल्लेख नहीं है। 'वोट चोरी' पर विपक्ष और मुख्य चुनाव आयुक्त के बीच विरोधाभास हैं। यह स्पष्ट है कि संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का विपक्षी प्रस्ताव ध्वस्त होना तय है, क्योंकि दो-तिहाई बहुमत उसके पक्ष में नहीं है और बेशक सत्ता पक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त को जरूर बचाएगा। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री वाली चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति की है। वह पक्ष महाभियोग को सफल क्यों होने देगा? इस यथार्थ के बावजूद और ध्रुवीकरण की राजनीति के मद्देनजर यह नेरेटिव फैलाना शुरू किया गया है कि विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विमर्श कर रहा है। विपक्षी गठबंधन के अधिकतर दल इसके पक्ष में हैं। 'वोट चोरी' का मामला अभी सर्वोच्च अदालत में है और अगली सुनवाई 22 अगस्त को होनी है।

वेलकम टू वन्स अगेन गाइज

हैलो गाइज! वेलकम टू वन्स अगेन आपके प्रिय लाइव में! मैं हूं आपकी मोस्ट! मोस्ट! मोस्ट फेवरिट इकलौती यूट्यूबरज्तो आज मैं आपको लेकर आई हूं खास, अन्टच्ड, वर्जिन थीम बोले तो गोबर! गोबर जिसे अंग्रेजी में डंग बोलते हैं। लेकिन हिंदी में इसे गोबर ही बोलते हैं। वही गोबर जो हर गांव, कस्बे से लेकर शहर, महाशहर की सडक़ों पर आम पाया जाता है। आज का मेरा यह एपिसोड आपके साथ-साथ गोबर को डेडीकेटेड रहेगा।

गाइज! गोबर की हिस्ट्री राजा-रानी की हिस्ट्री से पुरानी है। गोबर की हिस्ट्री प्रजा की हिस्ट्री से पुरानी है। गोबर की हिस्ट्री गाय-भैंसों की हिस्ट्री से पुरानी है। दुनिया में जब कोई नहीं था, तब गोबर था। दुनिया में जब कोई नहीं रहेगा, गोबर रहेगा। आई मीन टू से दैट गोबर इज अजर अमर।

सो गाइज! तो जो गोबर मैं आज आपको दिखाने जा रही हूं, वह गोबर अमेजन पर ऑनलाइन गाय के गोबर के रूप में भी जागरूक से जागरूक उपभोक्ताओं द्वारा गोबर की सही नॉलेज न होने के कारण बिना किसी शक के खरीदा जा रहा है।

गाइज! यह भैंस का गोबर इसलिए है, क्योंकि यह भैंस का गोबर है। ऐसा कम ही होता है कि गाय-भैंस वाला गोबर करे। बैल भैंसे वाला गोबर करे। पर ऐसा होता आज तक किसी ने नहीं देखा है। गोबर की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि नकली दूध बनाया जा सकता है, पर नकली गोबर नहीं।

गाइज! यह जो गोबर होता है न! यह तब बनता है जब भैंस घास खाती है। भैंस जितना घास खाएगी, उतना ही गोबर देगी। यदि भैंस भूखी रहेगी तो गोबर कम देगी।

गाइज! गोबर और घास का आपस में बहुत ही क्लोज रिलेशन होता है। सारे रिलेशन टूट सकते हैं, पर यह रिलेशन अटूट होता है। अगर भैंस घास नहीं खाएगी तो गोबर भी नहीं देगी। घास ही भैंस के पेट में जाकर गोबर का रूप धारण करती है।

सो गाइज! इस वक्त मैं ठीक भैंस के पीछे गोबर के ढेर के पास खड़ी हूं। आप हैरान होंगे कि एक भैंस और इतना गोबर? हेल्दी भैंस इतना ही गोबर करती है। कैमरे ने अभी इतनी प्रोग्रेस नहीं की है कि गोबर की तस्वीरों के साथ-साथ गोबर की महक भी आप तक पहुंचा पाए।

गाइज! यू आर रियली वेरी वेरी लकी! देखिए, भैंस ने कैमरे के सामने आते ही गोबर कर दिया। थैंक गॉड! मुझ पर नहीं पड़ा। शायद भैंस को पता चल गया कि उसके गोबर का मेरे प्यारे प्यारे दर्शकों के लिए लाइव चल रहा है। थैंक्स हिंदी की भैंस! अंग्रेजी की बफेलो! फॉर दिस कोऑपरेशन! आई एम वेरी वेरी थैंकफुल टू यू फॉर दिस एक्ट ऑफ काइंडनेस!

तो गाइज! आपको आज का मेरा एपिसोड कैसा लगा? जाहिर है पहले की तरह रोमांचकारी लगा होगा। तो जल्दी से आज के मेरे गोबर लाइव पर अपने लाइक दीजिएगा, कमेंट कीजिएगा। हो सके तो शेयर भी कीजिएगा। और हां ! मेरे जिन विवर्ज ने अभी तक मेरे यूट्यूब को सबसक्राइब नहीं किया है वे विदआउट एनी डीले सबसक्राइब करें यदि वे अपनी जनरल नालेज में इजाफा करना चाहते हों। गाइस! आपके लाइक्स, कमेंट्स, शेयर ही मेरी सोल हैं।

सो थैंक्यू अगेन गाइज! अगली बार वेरी सून मिलते हैं गाय के गोबर के साथ। तब तक स्वस्थ रहिए! मस्त रहिए! जय यूट्यूब ! जय यूट्यूबर जय लाइक्स! जय कमेंट्स! जय गोबर!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के ध्वजारोहण समारोह में जो भाषण दिया, वह भारत राष्ट्र की कूटनीतियों को सुदृढ़ता तथा विभिन्न बाधाओं के उन्मूलन के प्रति शासन की सुशासकीय कार्यनीतियों की सक्रियता का द्योतक था। उनके अनेक वक्तव्यों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्थितियों के संदर्भ में लोगों को एक नव विचार प्रदान किया है। चाहे वक्तव्य शीघ्र ही भारत के विश्व की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का हो, सामरिक क्षेत्र में व्यापक उन्नति का हो, शासन को फाइलों से निकालकर फील्ड में कार्यव्यस्त करने का हो, वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था के द्वारा कर संग्रहण की सुव्यवस्था के बल पर प्रत्येक तिमाही में कर संग्रह में वृद्धि के बारे में हो, आगामी दिवाली में देशवासियों के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य में कमी का हो, अमेरिका हो चाहे कोई अन्य देश उसके मनमाने समझौते के सामने न झुकने का हो, कृषकों, बुनकरों, मछुआरों, लघु क्षेत्र के उद्यमियों व व्यापारियों के हित संरक्षण हेतु सुदृढ़ता से खड़े रहने का हो, अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से भारत में विपक्ष को जैसे-तैसे राजनीतिक रूप में मजबूत बनाने के लिए देश की जनसांख्यिकी को बदलने का हो, देश में पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा अन्य सीमांत देशों से हुई अथवा हो रही अवैध घुसपैठ का हो।

कूटनीति-राजनीति का संतुलनकर्ता भारत

विकेश कुमार बडोला

पश्चिमी यूरोप में रूस, दक्षिण एशिया में चीन, कोरियाद्वय तथा विगत दस वर्षों में प्रमुख रूप में भारत की राष्ट्रीयता की भावना व विचार शक्तिहीन न होकर प्रत्युत अत्यधिक शक्तिशाली ही हुए हैं। भारत की ये स्थिति डीपस्टेट्स को बेचैन किए हुए है। डीपस्टेट्स के हाथों में जाकर कठपुतली बन जैसे-तैसे चलने की नियति भारत की इसलिए नहीं है. क्योंकि भारतीय सेना का भारत भूमि के प्रति समर्पण असीमित है, जिसके सम्मुख दुनिया की कोई भी नकारात्मक शक्ति कभी भी खड़ी नहीं हो सकती हैज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के ध्वजारोहण समारोह में जो भाषण दिया, वह भारत राष्ट्र की कूटनीतियों को सुदृढ़ता तथा विभिन्न बाधाओं के उन्मूलन के प्रति शासन की सुशासकीय कार्यनीतियों की सक्रियता का द्योतक था। उनके अनेक वक्तव्यों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्थितियों के संदर्भ में लोगों को एक नव विचार प्रदान किया है। चाहे वक्तव्य शीघ्र ही भारत के विश्व की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का हो, सामरिक क्षेत्र में व्यापक उन्नति का हो, शासन को फाइलों से निकालकर फील्ड में कार्यव्यस्त करने का हो, वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था के द्वारा कर संग्रहण की सुव्यवस्था के बल पर प्रत्येक तिमाही में कर संग्रह में वृद्धि के बारे में हो, आगामी दिवाली में देशवासियों के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य में कमी का हो, अमेरिका हो चाहे कोई अन्य देश उसके मनमाने समझौते के सामने न झुकने का हो, कृषकों, बुनकरों, मछुआरों, लघु क्षेत्र के उद्यमियों व व्यापारियों के हित संरक्षण हेतु सुदृढ़ता से खड़े रहने का हो, अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र से भारत में विपक्ष को जैसे-तैसे राजनीतिक रूप में मजबूत बनाने के लिए देश की जनसांख्यिकी को बदलने का हो, देश में पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा अन्य सीमांत देशों से हुई अथवा हो रही अवैध घुसपैठ का हो।

इसके अलावा सुशासन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सिद्धांतों एवं कार्यपरायण उत्तरदायित्वों के 100 वर्षीय योगदान का हो, अथवा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेतृत्व में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी के गत 12 वर्षीय शासन की समयावधि में चहुंदिश अपेक्षाकृत वृहद् उपलब्धियों का वक्तव्य हो, लगभग सभी क्षेत्रों एवं विषयों के बारे में प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता को दायित्वबोध के साथ अवगत कराया कि वे राष्ट्र व राष्ट्रीयता के लिए आजीवन समर्पित रहेंगे। प्रधानमंत्री के भाषण के आलोक में आवश्यकता इस विचार की है कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य सामने जैसा भी दिखाई दे रहा है, वास्तव में वह सत्य नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप भारत के विरुद्ध जो व जैसी भी राजनीति, अर्थनीति, भाषणनीति एवं कार्यनीति क्रियान्वित करते हुए दिखाई दे रहे हैं, वह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का एक नवीन कार्यव्यवहार है, जो अधिसंख्य लोगों को सीधे-सीधे समझ नहीं आ रहा है। इस कूटनीति में न केवल अमेरिका, भारत तथा विश्व के अन्य देशों के संप्रभुगत हितों की सुरक्षा चिन्हित है, अपितु इसके बल पर समग्र विश्व के डीप स्टेट्स के विरुद्ध एक शक्तिशाली प्रतिरोधी तंत्र भी साकार हो रहा है। ब्रिक्स को इस तंत्र के आरंभिक उभार के रूप में देखा, समझा जा सकता है। इस संदर्भ में भारत अपने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय भूमिका, दायित्व एवं कार्यों को भलीभांति संपन्न कर रहा है।

आत्मसम्मान एवं गौरव के साथ अपनी जीवन-यात्रा करने वाले देशों में चाहे भारत हो अथवा कोई अन्य देश, सभी स्थानों पर मुद्रा, मादक व द्रव्य पदार्थों, मानव तस्करी, वेश्यावृत्ति, इत्यादि क्षेत्रों में जो अवैध व्यापार व्यापक स्तर पर होता हुआ आया है तथा अब भी निरंतर हो रहा है, उसमें अमेरिका एवं यूरोप के धनी देशों के वे डीपस्टेट्स खरबपति कुछेक खूंखार लोग लिप्त हैं जो अवैध धन के बल पर पनपी अपनी सनक को पूरी दुनिया पर थोपना चाहते हैं। इसके लिए वे देशों के सामने अपने मनमाने प्रस्ताव रखते हैं। यदि देश राष्ट्रीयता, संप्रभुता के आधार पर ऐसे प्रस्तावों का विरोध करते हैं, तो ये लोग वहां अलोकतांत्रिक ढंग से सत्ता परिवर्तित करके अपने संकेतों पर चलने वाले उन देशों के राजनीतिक दलों, नेताओं, व्यापारियों को सत्तारूढ़ कर देते हैं। लीबिया, इराक, सीरिया, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान ऐसे ही देश हैं जहां दुनिया के खरबपति डीपस्टेट्स ने अपने अनुसार सत्ताओं को बनाने-बिगाडऩे का खेल खेला है। ऐसे डीपस्टेट्स ने नाटो के सदस्य 27 यूरोपीय देशों पर भी एक ढंग से अपना आधिपत्य स्थापित कर रखा है। विश्व की प्रमुख संस्थाएं- विश्व व्यापार संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, संयुक्य राष्ट्र महासभा इत्यादि सभी की सभी ऐसे डीप स्टेट्स के मनमाने प्रस्तावों के आधार पर ही अपनी वैश्विक नीतियां बनाती हैं तथा उनमें मनमाना परिवर्तन करती हैं। विश्व के ऐसे मानवता विरोधी घातक तंत्र को ध्वस्त करने के लिए गत दस वर्षों से भारत के नेतृत्व में कूटनीति स्तर पर जैसे व जितने प्रयास किए जा रहे हैं, वह इस तंत्र को बुरी तरह चुभने लगे हैं।

फलस्वरूप डीप स्टेट्स तंत्र ने भारत को दबाने के लिए चीन का सहारा लेकर सीमाक्षेत्रों पर दोनों देशों के मध्य संघर्ष बढ़ाने की कुचेष्टा की, बांग्लादेश में तख्तापलट करवाया, म्यांमार में अराजकता फैलाई, नेपाल व श्रीलंका को अस्थिर किया, पाकिस्तान के माध्यम से आतंक फैलाने की युक्तियां अधिक प्रभावी नहीं हुईं तो पहलगाम करवाकर भारत को ऑपरेशन सिंदूर करने के लिए विवश किया और जब पाकिस्तान को परास्त करने वाले अल्पावधि के युद्ध में डीप स्टेट्स ने देखा कि कैसे भारत की सामरिक शक्तियां रूस व इजरायल के सहयोग से उनके नियंत्रण वाले हथियार निर्माताओं की सामरिक शक्तियों को चुनौती देने लगी हैं, तो उन्होंने अमेरिकी शासन पर दबाव डालकर शुल्क वृद्धि का नव कूटनीतिक अभियान छेड़ दिया है। इस आकलन के आधार पर स्पष्ट हो जाता है कि अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति ट्रंप के रूप में जो व्यक्ति हमें भारत का प्रत्यक्ष शत्रु दिखाई दे रहा है, वास्तव में वह तो माध्यम है। मूलत- ये डीपस्टेट्स हैं, जो अमेरिका में अपने प्रिय राजनीतिक दल डेमोक्रेट्स एवं इसके नेताओं के माध्यम से राष्ट्रीयता की धारणा पर चलने वाले दल रिपब्लिकन एवं इसके नेता ट्रंप को दिखावटी रूप में दुनिया व भारत के लिए खतरनाक सिद्ध करने पर तुले हुए हैं।

डीपस्टेट्स अथवा ग्लोबलिस्ट्स, अवैध धंधों के बल पर खरबपति बने गिनती के इन कुछेक लोगों को दुनिया के किसी भी देश में देशभक्ति का शासकीय, राजनीतिक व सार्वजनिक वातावरण नहीं चाहिए और जिन देशों में शासन, राजनीति एवं जनता के स्तर पर राष्ट्रीयता का भाव-विचार क्षीण हुआ है, वहां की सेनाओं को अपने नियंत्रण में लेकर इन्होंने मनमाने सत्ता परिवर्तन करवाए हैं। पश्चिमी यूरोप में रूस, दक्षिण एशिया में चीन, कोरियाद्वय तथा विगत दस वर्षों में प्रमुख रूप में भारत की राष्ट्रीयता की भावना व विचार शक्तिहीन न होकर प्रत्युत अत्यधिक शक्तिशाली ही हुए हैं। भारत की ये स्थिति डीपस्टेट्स को बेचैन किए हुए है। डीपस्टेट्स के हाथों में जाकर कठपुतली बन जैसे-तैसे चलने की नियति भारत की इसलिए नहीं है. क्योंकि भारतीय सेना का भारत भूमि के प्रति समर्पण, त्याग की निष्ठा तथा सैन्य पराक्रमी वैभव व्योम जैसा असीमित है, जिसके सम्मुख दुनिया की कोई भी नकारात्मक, अवैध तथा अमानवीय शक्ति कभी भी खड़ी नहीं हो सकती है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों के लिए राष्ट्रीयता का जैसा आह्वान किया है, वह षड्यंत्रकारी वैश्विक परिस्थिति के संदर्भ में ही किया गया है। अत- स्वतंत्रता दिवस मनाने की श्रेष्ठ शिक्षा यही है कि लोगों को अब देश में राजनीति के उन खटकर्मों की उपेक्षा आरंभ करनी होगी, जो कहीं न कहीं वैश्विक डीपस्टेट्स की खाद-पानी से नकारात्मक एवं अनुपयोगी होकर उछल-कूद मचाए हुए हैं।

साम दाम दंड भेद पर आई आप, मनीष सिसोदिया के बयान से पार्टी की साा-लोलुपता उजागर

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) का जन्म एक क्रांति की तरह हुआ था। अन्ना आंदोलन की पृष्ठभूमि से निकली इस पार्टी ने भ्रष्टाचार-विरोधी राजनीति और जनसरोकारों के मुद्दों को केंद्र में रखकर देश की जनता को नई उम्मीद दी थी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं ने खुद को आम आदमी के सिपाही के रूप में पेश करते हुए ÷व्यवस्था बदलने÷ का वादा किया था। उस समय यह कहा गया था कि यह पार्टी व्यवस्था बदलेगी, भ्रष्टाचार मिटाएगी और राजनीति को स्वच्छ बनाएगी। लेकिन आज की हकीकत यह है कि आम आदमी पार्टी भी उसी पुरानी राजनीति के रास्ते पर खड़ी है, जिस पर चलने वाले दलों के खिलाफ उसने आंदोलन खड़ा किया था।

नीरज कुमार दुबे

पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर मनीष सिसोदिया का बयान, ÷साम, दाम, दंड, भेद सच-झूठ जो भी करना पड़ेगा, करेंगे, साफ दिखाता है कि आम आदमी पार्टी अब सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी (आप) का जन्म एक क्रांति की तरह हुआ था। अन्ना आंदोलन की पृष्ठभूमि से निकली इस पार्टी ने भ्रष्टाचार-विरोधी राजनीति और जनसरोकारों के मुद्दों को केंद्र में रखकर देश की जनता को नई उम्मीद दी थी। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं ने खुद को आम आदमी के सिपाही के रूप में पेश करते हुए ÷व्यवस्था बदलने÷ का वादा किया था। उस समय यह कहा गया था कि यह पार्टी व्यवस्था बदलेगी, भ्रष्टाचार मिटाएगी और राजनीति को स्वच्छ बनाएगी। लेकिन आज की हकीकत यह है कि आम आदमी पार्टी भी उसी पुरानी राजनीति के रास्ते पर खड़ी है, जिस पर चलने वाले दलों के खिलाफ उसने आंदोलन खड़ा किया था। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया कभी ÷शिक्षा सुधारक÷ के रूप में पेश किये जाते थे। स्कूलों के मॉडल की तस्वीरें खिंचवाई जाती थीं और उन्हें दिल्ली की राजनीति में ÷ईमानदारी का चेहरा÷ बताकर प्रचारित किया जाता था। लेकिन सत्ता की हकीकत अलग निकली। दिल्ली की शराब नीति घोटाले ने उनकी छवि को ध्वस्त कर दिया और उन्हें ÷शराब क्रांति का जनक÷ बना दिया। वह लंबे समय तक जेल की सलाखों के पीछे रहे और बाहर आने के बाद अपना विधानसभा चुनाव भी हार गये।

अब पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर मनीष सिसोदिया का बयान, ÷साम, दाम, दंड, भेदज सच-झूठज जो भी करना पड़ेगा, करेंगे÷, साफ दिखाता है कि आम आदमी पार्टी अब सत्ता पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। मनीष सिसोदिया का बयान जनता को यह समझाने के लिए पर्याप्त है कि आम आदमी पार्टी और बाकी पारंपरिक दलों में अब कोई फर्क नहीं बचा है। देखा जाये तो लोकतंत्र में चुनावी जीत का आधार जनता की सेवा और सुशासन होना चाहिए, न कि ÷किसी भी साधन÷ से सत्ता हथियाना। लेकिन आम आदमी पार्टी के बड़े नेताओं के शब्दों से यह साफ है कि उनके लिए अब नैतिकता केवल एक खोखला नारा रह गई है।

मनीष सिसोदिया के बयान से पंजाब की राजनीति गर्मा गयी है इसलिए अब आम आदमी पार्टी के नेता सफाई भी देते फिर रहे हैं। पंजाब के मंत्री अमन अरोड़ा कह रहे हैं कि सिसोदिया ने जो कहा वह पार्टी की विचारधारा नहीं है। यहां सवाल उठता है कि अगर पार्टी के राष्ट्रीय स्तर के नेता और अरविंद केजरीवाल के सबसे करीबी सहयोगी, ऐसा बयान देते हैं तो उसे महज़ ÷व्यक्तिगत राय÷ कैसे कहा जा सकता है? क्या यह सफाई केवल डैमेज कंट्रोल की कोशिश नहीं है? देखा जाये तो आम आदमी पार्टी के इस बदले हुए चरित्र से लोकतंत्र को सबसे बड़ा नुकसान यह हुआ है कि जनता का विश्वास टूट गया है। जो लोग भ्रष्टाचार और व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर सत्ता में आए, अगर वही भ्रष्टाचार और सत्ता-लोलुप राजनीति का हिस्सा बन जाएँ, तो जनता किस पर भरोसा करेगी? सच यही है कि आम आदमी पार्टी अब वैसी ही राजनीति करने लगी है जैसी राजनीति करने का आरोप वह अपने शुरुआती दिनों में दूसरों पर लगाया करती थी। इस सबके चलते भारतीय लोकतंत्र एक बार फिर नैतिकता के संकट का शिकार हो रहा है।

ईमानदार राजनीति÷ का नारा देकर पैदा हुई आम आदमी पार्टी अब सत्ता की राजनीति में इस कदर डूब चुकी है कि उसके नेताओं की जुबान पर ÷साम, दाम, दंड, भेद÷ जैसे शब्द चढ़ गए हैं। यह वही पार्टी है जिसने जनता को बदले की राजनीति से बाहर निकलने का सपना दिखाया था। लेकिन अब लगता है, आम आदमी पार्टी का असली चेहरा वही है जिससे उसने खुद को अलग दिखाने की कोशिश की थी। और यही लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक संकेत है।

बहरहाल, मनीष सिसोदिया के बयान को लेकर पंजाब की राजनीति गर्मायी हुई है। इस बयान को विपक्षी दलों ने हाथों-हाथ लिया और चुनाव आयोग से शिकायत तक कर दी। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने तो इसे भ्रष्ट और हिंसक तरीकों की पैरवी करार देते हुए सिसोदिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। विपक्षी दलों का आरोप है कि सिसोदिया ने चुनाव जीतने के लिए अनैतिक और हिंसक रणनीतियों को स्वीकार किया है। यहां सवाल यह भी उठता है कि सिसोदिया के विवादित बयान पर पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल की चुप्पी यदि आगे भी बनी रही तो क्या इसे उनका मूक समर्थन नहीं माना जायेगा?

मुकुंदपुर में 1 और सफेद बाघ की मौत, व्हाइट टाइगर सफारी में दिल्ली से लाया गया था 11 वर्षीय टीपू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विश्व की पहली ओपन व्हाइट टाइगर सफारी मुकुंदपुर में दिल्ली से लाए गए सफेद बाघ टीपू की मंगलवार दोपहर मौत हो गई। टीपू पिछले तीन महीने से बीमार था और गहन चिकित्सा इकाई में उसका उपचार चल रहा था। सतना डीएफओ मयंक चांदीवाल और जू डायरेक्टर रामेश्वर टेकाम ने इसकी पुष्टि की है।

तीन महीने से था बीमार: मुकुंदपुर जू के डायरेक्टर ने बताया कि 11 वर्षीय नर सफेद बाघ टीपू की तबीयत कुछ महीनों से खराब थी। जू के पशु चिकित्सक डॉ. नितिन गुप्ता लगातार उसका इलाज कर रहे थे। इसके अलावा जबलपुर, रीवा और बांधवगढ़ के विशेषज्ञ डॉक्टर भी उसकी जांच और उपचार में शामिल थे।

आईसीयू में इलाज के दौरान गई जान: पिछले एक सप्ताह से उसकी हालत और बिगड़ गई थी, जिसके बाद उसे आईसीयू में रखा गया। मंगलवार दोपहर 1:54 बजे टीपू ने अंतिम सांस ली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में प्रारंभिक कारण क्रॉनिक किडनी फेल्योर सामने आया है। बाघ के अंगों के सैंपल जांच के लिए सुरक्षित रखे गए। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में शवदाह की प्रक्रिया पूरी की गई।

अब सफारी में केवल तीन बाघ: मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी वर्ष 2016 में जनता के लिए खोली गई थी। यहां शुरुआत में मादा बाघिन विंध्या लाई गई थी, जिसके बाद राधा, रघु, सोनम और मोहन आए। 2023 में दिल्ली से टीपू को लाया गया था। विंध्या और राधा की पहले ही मौत हो चुकी है। अब टीपू की मौत के बाद सफारी में केवल रघु, सोनम और मोहन बचे हैं।

बैंक से निकाले 3 लाख, सब्जी खरीदते समय चोरी; 3 संदिग्ध कैमरे में कैद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक व्यापारी के साथ दिनदहाड़े चोरी की वारदात सामने आई है। कामता टोला निवासी राजमन गुप्ता मंगलवार दोपहर को संग्राम कॉलोनी स्थित इंडियन बैंक से 3 लाख रुपए निकालकर अपनी स्कूटर की डिग्गी में रखकर दुकान की ओर निकले। जयस्तंभ चौक पर पहुंचकर वे सब्जी खरीदने रुके। इसी दौरान किसी ने स्कूटर की डिग्गी का लॉक तोड़कर पैसे चुरा लिए। सब्जी खरीदकर लौटने पर व्यापारी को चोरी का पता चला। उन्होंने तुरंत सिटी कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई।

सीसीटीवी में दो बाइक पर सवार तीन संदिग्ध दिखाई दिए: पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम के सीसीटीवी फुटेज में दो बाइक पर सवार तीन संदिग्ध दिखाई दिए। ये लोग बैंक से जयस्तंभ चौक तक राजमन गुप्ता की स्कूटर का पीछा करते नजर आए। चोरी के बाद दोनों बाइकें गायब हो गईं।

जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा: टीआई रावेंद्र द्विवेदी के अनुसार पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से संदिग्धों की पहचान कर रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। जयस्तंभ चौक पर इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान चलाने वाले राजमन गुप्ता ने बताया कि वह दोपहर साढ़े 12 बजे के करीब चौक पर पहुंचे थे।

हाई स्कूल में कुर्सी पर सोते रहे शिक्षक, ग्रामीण ने बनाया वीडियो; बीईओ बोले- जल्द कार्रवाई करेंगे

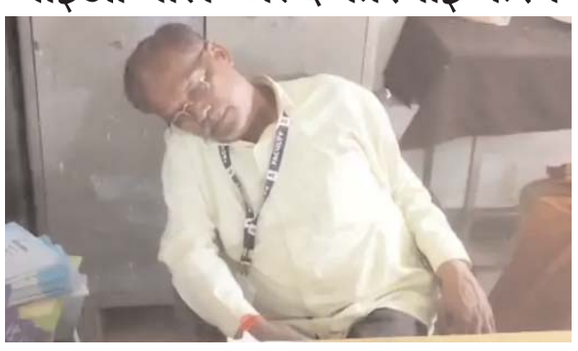

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक सरकारी शिक्षक की लापरवाही का मामला सामने आया है। रामपुर बाघेलान विकासखंड के ग्राम झंड हाई स्कूल में पदस्थ शिक्षक शिवकुमार चौधरी स्कूल में पढ़ाने की बजाय कुर्सी पर सोते हुए पाए गए। मंगलवार को शिक्षक स्कूल पहुंचे और सीधे कार्यालय में जाकर कुर्सी पर सो गए। इस दौरान किसी ग्रामीण ने उनका वीडियो बना लिया, जो बुधवार को सोशल मीडिया पर सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार ये पहली घटना नहीं है। शिक्षक अक्सर इसी तरह स्कूल में सोते रहते हैं।

अधिकारी बोले- जल्द कार्रवाई करेंगे: ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि इस लापरवाही से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों ने कटाक्ष किया कि शायद सरकार इन्हें स्कूल में सोने के लिए ही वेतन देती है। मामले की शिकायत अधिकारियों तक पहुंच गई है। अधिकारियों ने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

आदिवासी बच्चों को पठन पाठन सामग्री बांटकर कांग्रेसियों ने मनाई स्व.राजीव गांधी की जयंती

राजीव गांधी की वजह से आज हम मोबाइल और कंप्यूटर का इस्तेमाल कर रहे : आशुतोष

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां पंचायत के सुदूर पहाड़ी जंगल में बसे गांव गढ़ीघाट में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 81वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के बुंदेलखंड उत्तर प्रदेश प्रभारी और पूर्व प्रदेश सचिव आशुतोष द्विवेदी ने प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच पढ़ाई की सामग्री और मिष्ठान वितरित कर स्व. राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों,कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्कूल स्टाफ की उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया।

आदिवासी बच्चों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने का संदेश: गढ़ीघाट के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में आशुतोष द्विवेदी ने बच्चों को किताबें, कॉपियां, पेन और अन्य शैक्षिक सामग्री वितरित की। इसके साथ ही बच्चों को मिठाइयां बांटकर उनकी खुशी को दोगुना किया गया। इस अवसर पर आशुतोष द्विवेदी ने कहा, राजीव गांधी जी का सपना था कि देश का हर बच्चा शिक्षित हो और समाज की मुख्यधारा से जुड़े। आज हम उनके इस सपने को साकार करने की दिशा में एक छोटा सा कदम उठा रहे हैं, आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार करना हमारी प्राथमिकता है।

स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं की भागीदारी: कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी देवी मवासी, उपसरपंच राजू सौदागर, शैलेंद्र सिंह मुन्नू,अभिषेक सिंह कोदू सहित दर्जनभर कांग्रेस कार्यकर्ता और विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा लक्ष्मी देवी मवासी ने कहा, राजीव गांधी जी ने हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए काम किया। आज हम उनके आदर्शों को अपनाकर आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए प्रयासरत हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की अलख: गढ़ीघाट जैसे सुदूर क्षेत्र में इस तरह के आयोजन न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह जगाते हैं, बल्कि समाज में एकता और समरसता का संदेश भी देते हैं। उपसरपंच राजू सौदागर ने अपने संबोधन में जोर देकर कहा कि आदिवासी समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

आदिवासी महिला की कुल्हाड़ी मारकर हत्या, जमीनी विवाद पर खूनी संघर्ष; 2 आरोपी हिरासत में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र के कुड़िया नवस्ता गांव में बुधवार दोपहर जमीनी विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच कुल्हाड़ी और डंडों से हुई हिंसा में 42 वर्षीय रामप्यारी आदिवासी की मौत हो गई। उनके पति दिनेश आदिवासी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। विवाद की जड़ में गांव की सरकारी जमीन है। इस जमीन पर लालू कोल का वर्षों से कब्जा था। दिनेश आदिवासी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 25 हजार रुपये की पहली किस्त मिली थी। उन्होंने इसी जमीन पर मकान बनाने की तैयारी शुरू की और कुछ दिन पहले निर्माण सामग्री मंगवाई थी।

नींव खोदने के दौरान किया हमला: बुधवार को जब दिनेश मकान की नींव खोदने पहुंचे, तब लालू कोल और उनके परिजनों ने हमला कर दिया। कुल्हाड़ी से किए गए हमले में रामप्यारी की मौके पर ही मौत हो गई। इस झड़प में दूसरे पक्ष के दुर्घट आदिवासी और लालू कोल को भी चोटें आई हैं। थाना प्रभारी अजय अहिरवार के अनुसार, पुलिस ने घटनास्थल से दो लोगों को हिरासत में लिया है। मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुकानदार और अतिक्रमण दस्ते के बीच मारपीट, महिलाकर्मी से बदतमीजी करने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगवां थाना क्षेत्र के बस स्टैंड पर स्थित राज इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते और दुकानदार के बीच विवाद हो गया। नगर निगम का दस्ता दुकान के बाहर रखे सामान को जब्त करने पहुंचा था। दस्ते के साथ दुकानदार की पहले नोकझोंक हुई फिर दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई।

दुकानदार और दस्ते के बीच विवाद तब बढ़ गया जब दुकान में बैठे लोगों ने दस्ते की एक महिलाकर्मी से अभद्र व्यवहार किया। इसके बाद दस्ते के कर्मचारी दुकान के अंदर घुस गए और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई। घटना सोमवार को हुई, जिसका वीडियो मंगलवार की कार्रवाई के बाद सामने आया है।

दुकानदारों के चालान काटे, सामान जब्त किया: घटना के अगले दिन मंगलवार को अतिक्रमण दस्ते ने बस स्टैंड और सेमरिया चौक क्षेत्र में फिर से कार्रवाई की। दुकानों के बाहर सड़क तक फैले सामान को जब्त किया। दस्ते ने कई दुकानदारों से चालान शुल्क लिया। दुकानदारों ने आश्वासन दिया की आगे से दुकान के बाहर सामान नहीं रखेंगे। फिलहाल दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में किसी भी पक्ष ने थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान मानवता की अनुपम मिसाल

मीडिया ऑडीटर, मझगवां (निप्र)। समाजसेवा के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचता आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान एक बार फिर सुर्खियों में है। गरीबों के आशियाने बनाने, बेटियों की शादी करवाने,गौ सेवा और हक की लड़ाई में प्रशासन के सामने डटकर खड़े होने वाला यह संस्थान अब जिंदगी और मौत की जंग में भी ढाल बन रहा है।संस्थान के प्रमुख आशुतोष द्विवेदी की निस्वार्थ सेवा और त्वरित कार्रवाई ने दो परिवारों की बुझती उम्मीदों को नई रोशनी दी है।हाल ही में मझगवां की पूर्व सरपंच श्यामबाई वर्मा ने आशुतोष को अपने बेटे की गंभीर हालत और रक्त की कमी की जानकारी दी। पलक झपकते ही आशुतोष ने डॉक्टरों से संपर्क किया और शासकीय

108 वाहन की अनुपलब्धता के बावजूद निजी वाहन की व्यवस्था कर मरीज को सतना जिला अस्पताल पहुंचाया। इलाज शुरू कराने के साथ ही संस्थान द्वारा पूर्व में आयोजित रक्तदान शिविर से उपलब्ध 2 यूनिट रक्त उपलब्ध करवाया गया। जब और रक्त की जरूरत पड़ी,तो आशुतोष ने खुद आगे बढ़कर अपना 25वां रक्तदान किया,और एक गरीब बेटे की सांसों को बुझने से बचा लिया। लेकिन कहानी यहीं नहीं थमी। रक्तदान के बाद जैसे ही वे बाहर निकले, भरगवां गांव के शंकर सिंह के परिजनों ने भी रक्त की गुहार लगाई आशुतोष ने तुरंत अपने साथी को रक्तदान के लिए प्रेरित किया,जिससे दूसरी जिंदगी को भी बचाने में सफलता मिली।परिजनों को हौसला देते हुए उन्होंने मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और हर संभव सहायता का वादा किया।

आसुतोष दुर्वेदी सेवा संस्थान की यह अनुपम पहल अब मझगवां ही नहीं,बल्कि पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुकी है,यह संस्थान न केवल जरूरतमंदों के लिए आशा की किरण है, बल्कि समाजसेवा की ऐसी मिसाल है जो हर किसी को प्रेरित करती है।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने जबलपुर में नई टोलिंग यूनिट का शुभारंभ किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भवन निर्माण सामग्री कंपनी प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने आज मेसर्स जबलपुर सीमेंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (जेसीआईपीएल) जोगीढाना से सीमेंट आपूर्ति का उद्घाटन किया। यह टोलिंग इकाई प्रिज्म सीमेंट की गुणवत्ता और विशिष्टताओं के अनुसार सीमेंट का निर्माण और आपूर्ति करेगी। यह इकाई मध्य प्रदेश के एक प्रमुख औद्योगिक और आवासीय क्षेत्र, जबलपुर क्षेत्र में बाजार की मांग को पूरा करने की कंपनी की रणनीति का हिस्सा है। उद्घाटन के अवसर पर, मैनेजिंग डायरेक्टर विजय अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राकेश जैन और चीफ मार्केटिंग आफीसर पराग जैन की उपस्थिति में पहले ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जोनल सेल्स हेड हितेंद्र मिश्रा और मार्केटिंग टीम सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

टोलिंग यूनिट शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते हुये मैनेजिंग डायरेक्टर विजय अग्रवाल ने कहा, कि इस टोलिंग यूनिट का शुभारंभ हमारे विस्तार और विकास की रणनीति का हिस्सा है। यह टोलिंग यूनिट हमें क्षेत्रीय ग्राहकों को तेज, कुशल और विश्वसनीय सेवा प्रदान करने में सक्षम बनायेगी। हमारा उद्देश्य सिर्फ व्यापार का विस्तार नहीं बल्कि उस क्षेत्र के समग्र विकास का भागीदार बनना है जहाँ ग्राहकों और डीलरों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो सके। इसी अवसर पर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राकेश जैन ने कंपनी की भविष्य की योजनाओं, व्यापार रणनीतियों और स्थानीय सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को साझा करते हुये कहा, कि यह यूनिट हमारी आपूर्ति श्रृंखला को सक्षम बनाएगी और मध्यप्रदेश के निर्माण क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगी। हमारी प्राथमिकता ग्राहकों को बेहतर सेवा और विश्वसनीय उत्पाद उपलब्ध कराना है।

जिले में आ गये हैं फर्जी दस्तावेज बनाने वाले राजस्व अधिकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। देश का सतना पहला ऐसा जिला होगा जहां कूटरचित दस्तावेज बनाकर लोगों को ठगा जाता है। बड़ें आश्चर्य की बात है कि सुप्रीम कोर्ट हाईकोट के निर्णयों का यहां कोई पालन नहीं होता है। जिले के कुछ राजस्व अधिकारी तो इतने बदनाम हैं कि वो किसी भी फर्जी दस्तावेज में चिडिया बैठा देते हैं। गौर तलब है कि ऐसे राजस्व अधिकारी जिले के नेताओं की आंख का तारा हैं और घूम फिर कर उनकी पोस्टिंग सतना जिले में ही होती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश प्रदेश में कई उदाहरण हैं कि जब अधिकारी बुढापे में जेल जाते हैं। कारण यह है कि वह नौकरी में रहते हुए मामलों को दांव पेंच में उलझाकर बचते रहते हैं क्यों कि उनके पास भ्रष्टाचार का पैसा होता है फिर भी कागज के हांथ पांव व पहिया नहीं होते फिर भी वे गति से चलते रहते हैं और फिर अंत में भ्रष्टाचारियों को जेल जाना ही पड़ता है। जिले में कई राजस्व अधिकारी हैं जिनके गलत कामों को न्यायालयों में चुनौती दी गई है। वैसे जिले में कलेक्टर डॉ. सतीश एस के आने के बाद कई मामले उजागर हो चुके हैं और कलेक्टर ने उन फाईलों में न्याय संगत टिप्पणी लिख दी है। जिसका खामियाजा अंत में भुगतना ही पड़ेगा।

नकली दस्तावेज बनाने में माहिर है यह राजस्व अधिकारी: जिले में कुछ ऐसे राजस्व अधिकारी है जिन्हें नकली दस्तावेज बनाने का महारथ हांसिल हैं। ये राजस्व अधिकारी पूर्व में भी सतना में रहते हुए कई कारनामें किये है। कई बार इस अधिकारी का सतना से ट्रान्सफर भी हुआ। लेकिन घूम फिर कर फिर सतना में पहुंच जाते हैं। विगत कुछ दिन पहले सतना में इस अधिकारी के आने के बाद पुराने जमीन के दलाल सक्रिय हो गये हैं।

इस राजस्व अधिकारीसे

माह के अंत तक धरती आबा अभियान के गांवों में शत-प्रतिशत सेचुरेशन पूर्ण करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने बुधवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में धरती आबा अभियान के तहत जिले के चयनित सभी गांवों में माह के अंत तक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ से शत-प्रतिशत सेचुरेशन करने के निर्देश दिए है। उन्होंने नगर पालिका क्षेत्र मैहर की सड़कों की स्थिति पर कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग और मुख्य नगर पालिका अधिकारी पर अप्रसन्नता जाहिर करते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा नोटिस की प्रति संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव को भेजने के लिए कहा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम मैहर दिव्या पटेल, एसडीएम रामनगर एसपी मिश्रा, सीएमएचओ डॉ. एलके तिवारी, जिला शिक्षा

अधिकारी कंचन श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह, सहायक संचालक उद्यान अनिल सिंह सहित जिला और अनुभाग स्तर के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर रानी बाटड ने कहा कि विधानसभा की कृषि विकास समिति 21 अगस्त को मैहर जिले के अध्ययन भ्रमण पर रहेगी। सभी संबंधित अधिकारी विभागीय गतिविधियों एवं प्रगति की जानकारी के साथ समिति के भ्रमण के दौरान उपस्थित रहेंगे। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि जनजातीय विभाग, जल संसाधन जैसे विभाग 4-5 कुल शिकायतें होने पर भी सी और डी श्रेणी में बने हुए है। सभी विभाग आज शाम तक मेहनत कर आधिकाधिक शिकायतों का निराकरण कराये। कलेक्टर ने कहा कि बी, सी, डी श्रेणी के विभाग ए श्रेणी में आने का प्रयास करें। सीएम हेल्पलाइन में अच्छा परफारमेंस नहीं होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेन्द्र बांगरे के प्रति प्रसन्नता जताते हुए कलेक्टर ने महिला बाल विकास के सभी सीडीपीओ को गंभीरता नहीं बरतने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। सीएम हेल्पलाइन में स्वास्थ्य विभाग में अमरपाटन का परफारमेंस सबसे कम 62 प्रतिशत होने पर कलेक्टर ने बीएमओ तथा बीपीएम पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में दिए निर्देशानुसार बीपीएम अमरपाटन की संविदा समाप्त करने की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश सीएमएचओ को दिए। स्वास्थ्य विभाग में मैहर और रामनगर का परफारमेंस 82 प्रतिशत रहा है।

रतलाम के हॉस्टल में टैंकर से आता है पानी, बीमार होने के पहले शिमला मिर्ची और आलू की सजी खाई थी; डॉ टर बोले मौसमी बुखार है

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के बाजना के एकलव्य बालिका छात्रावास में बीमार हुई 35 छात्राओं में से 9 को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। तबीयत खराब होने के पहले छात्राओं ने हॉस्टल में शिमला मिर्ची व आलू की सब्जी के साथ रोटी व दाल चावल खाए थे। डॉक्टर इसे फूड नहीं पॉइजिंग नहीं मान रहे है। मौसमी बीमारी का हवाला दे रहे है। छात्राओं के बीमार होने पर कलेक्टर राजेश बाथम ने रतलाम से डॉक्टरों की टीम भी बाजना स्वास्थ्य केंद्र पर भेज इलाज कराया। सोमवार रात हॉस्टल की कुछ छात्राओं की तबीयत खराब हुई। देखते ही देखते सभी छात्राओं को सिर दर्द व बुखार व खासी के कारण बाजना के स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर भर्ती करना पड़ा। रात में कुछ छात्राओं को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया। 13 छात्राओं को मंगलवार सुबह डिस्चार्ज किया। लेकिन बाद में वापस सभी छात्राओं को इलाज के लिए भर्ती कराया। सैलाना एसडीएम मनीष जैन, जनजातीय विकास विभाग के सहायक आयुक्त रंजनासिंह भी बाजना पहुंची। छात्राओं से बातचीत की। रतलाम से डॉक्टरों की टीम को भेजा गया।

आईसीयू में करा एडमिट : बुखार नहीं उतरने पर 9 छात्राओं को शाम को एंबुलेंस से रतलाम मेडिकल लाया गया है। यहां पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष केशु निनामा ने छात्राओं के हालचाल जाने। माता-पिता से बात की। छात्राओं को आईसीयू में एडमिट किया गया। जहां इन सभी छात्राओं की हालात सामान्य थी। एक छात्रा तो रोते हुए कहने लगी कि मैं ठीक हूं। मुझे अब घर जाना है। फिर मुझे भर्ती कर दिया।

हॉस्टल में 86 छात्राएं : हॉस्टल में कक्षा 6ठी से 10वीं तक 86 छात्राएं है। सभी क्लास की छात्राएं बीमार हुई है। रतलाम में कक्षा 7वीं की लक्ष्मी, कक्षा 8वीं की शिवानी, मोनिका, माधुरी, काजल, नेहा, कक्षा 9वीं की पूजा, सविता एवं कक्षा 10वीं की छात्रा वैशाली को मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया है।

टैंकर से आता है पानी : कक्षा 8वीं की छात्रा नेहा ने बताया कि बुखार व खासी होने पर मेम को बताया। और भी लड़कियों को यहीं समस्या आई। शिमला मिर्ची, आलू की सब्जी के साथ रोटी दाल चावल खाए थे। छात्रा मोनिका ने कहा कि खासी आती है तो पेट में दर्द होता है। मेम को बताया तो वह तुरंत अस्पताल लेकर गए। छात्रा लक्ष्मी ने कहा कि शाम को सिर दर्द हुआ। सुबह बुखार आया। पानी हॉस्टल में टैंकर से आता है। पानी की टंकी को उससे भरा जाता है। वहीं पानी पीते है। यही बात अन्य छात्राओं ने भी कही।

जिपं उपाध्यक्ष का आरोप : हॉस्टल में जो भोजन छात्राओं ने किया उसकी जांच होना चाहिए। हॉस्टल में रहने वाले बच्चों के लिए सरकार द्वारा डॉक्टर नियुक्त कर रखे है। समय-समय पर बच्चों की जांच करना जरूरी है। लेकिन आदिवासी क्षेत्र में अधिकतर डॉक्टर अपने स्थान पर नहीं रहकर रतलाम आकर रहते है। जो भी जिम्मेदार है उस पर कार्रवाई होना चाहिए।

फूड पॉइजनिंग नहीं है- मेडिकल कॉलेज अधीक्षक : मेडिकल कॉलेज अधीक्षक डॉ. प्रदीप मिश्रा ने बताया कि बच्चों की मेडिकल हिस्ट्री देखी है। छात्राओं को सिर दर्द, बुखार आया है। उल्टी-दस्त नहीं है। मौसमी बुखार के सिमटम्स है। फूड पॉइजनिंग की संभावना तब रहती है जब उल्टी दस्त होती है। सभी छात्राएं ठीक हैं।

ये छात्राएं हुई थी बीमार: अंजली (15) पिता रामलाल, बाजू (11) पिता भूरिया, शोभा (12) पिता हेमराज, सपना (14) पिता पंजालाल, मनीषा (12) पिता राहुल, पूजा (15) पिता रमेश, सविता (15) पिता लालू, सोम्या (12) पिता रामदेव, मनीषा (15) पिता लक्ष्मण, ज्योति (15) पिता जगदीश, वर्षा (13) पिता सुखलाल, लक्ष्मी (12) पिता ईश्वरलाल, अंजली (12) पिता सुखराम, अक्षिता (15) पिता मगन, सिमरन (11) पिता लक्ष्मण, अनुष्का (12) पिता प्रेमसिंह, पूजा (15) पिता भालु, अंगूरी (14) पिता रुपजी, रेखा (16) पिता मोहन, माधुरी (13) पिता प्रेम, वर्षा (16) पिता लाला, आरती (12) पिता गुड्डू, काजल (12) पिता कांतिलाल, काजल (14) पिता देवीलाल, मोनिका (13) पिता नानापाल, महेन्द्र सहित अन्य छात्राएं बीमार हुई।

उज्जैन के नागदा में युवक-युवती की संदिग्ध मौत, यात्री प्रतीक्षालय में शव के पास मिला जहर का पैकेट; प्रेम प्रसंग में सुसाइड की आशंका

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन जिले के नागदा के डाबड़ी यात्री प्रतीक्षालय में एक युवक और नाबालिग युवती की लाश संदिग्ध हालत में मिली। दोनों के शव के पास से जहर का पैकेट बरामद हुआ है। पुलिस का अनुमान है कि प्रेम प्रसंग के चलते दोनों ने जहर खाकर जान दी। मृतकों की पहचान समरथ सूर्यवंशी निवासी थाना ताल और नाबालिग (17) निवासी थाना आलोट के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही नागदा जंक्शन और नागदा बिरला ग्राम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि मृतिका युवती की गुमशुदगी का मामला पहले ही आलोट थाने में दर्ज था। पुलिस ने दोनों के परिवारों को सूचना दे दी है और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मंडी टीआई प्रतीक शर्मा ने बताया कि दोनों कम उम्र के है ,परिवार वालो से बात हुई उन्होंने बताया कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। घटना स्थल से एक बाइक स्कूटी 1175 समीप खड़ी मिली। फिलहाल जांच कर रहे है।

चेक बाउंस होने पर एक साल की सजा-कोर्ट ने सुनाया दोगुनी राशि देने का आदेश, भुगतान नहीं होने पर एक साल अतिरिक्त काटनी होगी सजा

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में 7 लाख रुपए का चेक बाउंस होने के मामले में कोर्ट ने अभियुक्त को एक साल के कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोगुनी राशि देने के आदेश भी दिए हैं। फैसला न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनुपम तिवारी ने दिया है। एडवोकेट नीरज सक्सेना ने बताया कि बुद्धेश्वर रोड निवासी रमेशचंद्र पिता केशवलाल सोमानी ने अपने परिचित राजू पिता शोभाराम पांचाल निवासी त्रिलोक नगर को 15 मई 2012 को 7 लाख रुपए उधार दिए थे।

7 लाख रुपए का चेक दिया था: पांचाल ने यह रुपए निजी आवश्यकता बताकर लिए। रुपए वापस देने के नाम पर पांचाल ने सोमानी को पंजाब एंड सिंध बैंक का 7 लाख रुपए का चेक दिया था। सोमानी ने यह चेक 4 जून 2013 को बैंक में लगाया। लेकिन बैंक अकाउंट में पर्याप्त रुपए नहीं होने से चेक बाउंस हो गया। सोमानी ने सूचना पत्र भिजवाया लेकिन पांचाल ने भुगतान नहीं किया। इस पर पांचाल ने कोर्ट में परिवाद पेश किया। कोर्ट ने पांचाल को दोषी पाते हुए एक साल के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 14 लाख रुपए प्रतिकर राशि चुकाने के आदेश दिए। एडवोकेट सक्सेना ने बताया अभियुक्त प्रतिकर राशि का भुगतान नहीं करता है तो उसे एक माह का अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी।

जंगली जानवर के हमले से 13 बकरियों की मौत: खरगोन में एक हफ्ते में तीसरी घटना, वन विभाग से कार्रवाई की मांग

खरगोन, एजेंसी। खरगोन में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात 2 बजे वार्ड क्रमांक 1 न्यू निमाड़ टॉकीज के पीछे जंगली जानवर ने हमला कर दिया। बकरी मालिक राहुल सिलावट ने बताया कि रात को सियार जैसी आवाज सुनाई दी। जब वे मौके पर पहुंचे तो उनकी 8 बकरियां मरी पड़ी थीं। बताया जा रहा है कि मृत बकरियों की कीमत 70 से 80 हजार रुपए है।

ये घटना पिछले एक हफ्ते में तीसरी बार हुई है। इन हमलों में कुल 13 बकरियों की मौत हो चुकी है। इससे पहले कुशवाहा मोहल्ला में जाकिर खान की बकरियों पर हमला हुआ था। वहीं ओटा क्षेत्र में भी तीन-चार दिन पहले 5 बकरियों को मार दिया था। लगातार हो रहे हमलों को लेकर लोग घबराए हुए हैं। हमले की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं हो पाई है

इस पूरे मामले में वन विभाग और राजस्व विभाग की टीम अभी तक मौके पर नहीं पहुंची है। वन्य प्राणी द्वारा हमले की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं हो पाई है। पशुपालकों ने प्रशासन और वन विभाग से कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो नुकसान और बढ़ सकता है। साथ ही उन्होंने उचित मुआवजे की भी मांग की है।

रायसेन के महामाया चौक में 3 फीट तक पानी भरा, रात में 2 घंटे तक हुई तेज बारिश; मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में मंगलवार रात 10 बजे से तेज बारिश शुरू हुई जो 2 घंटे तक जारी रही। महामाया चौक नगर पालिका के सामने तीन फीट तक पानी भर गया। निचली बस्तियों में जल भराव से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। महाचौक पर जल भराव के बीच भी वाहन चालक अपने वाहनों को निकालते रहे। रायसेन में इस साल 1 जून से अब तक 45.28 इंच बारिश दर्ज की गई है। जिले में औसत बारिश का पैमाना 47.13 इंच है। जो रात में हुई बारिश से लगभग पूरा होने वाला है। मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 5 दिनों से रायसेन में रुक-रुक कर बारिश हो रही है।

हलाली डैम 72 प्रतिशत तक भरा : अगस्त तक हुई बारिश से जिले का बारना डैम 100 प्रतिशत भर गया है। रायसेन और विदिशा को पानी देने वाला सम्राट अशोक परियोजना का हलाली डैम 72 प्रतिशत भर चुका है। जिले के अन्य बांध और तालाबों में भी अच्छा जल भराव हुआ है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा।

शादी करके 17 दिन रही दुल्हन, फिर ज्वेलरी लेकर भागी पीड़ित बोला- डरा-धमकाकर 20 लाख ऐंठे

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में एक 27 वर्षीय युवक के साथ शादी के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। युवक ने इंदौर निवासी युवती से दोस्ती की और बाद में शादी कर ली। शादी के बाद भी युवती अपने पूर्व बॉयफ्रेंड से संपर्क में रही और युवक को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। युवती शादी के 17 दिन बाद अपने घर चली गई। इसके साथ ही उसने 5 लाख रुपए की ज्वेलरी और 2.5 लाख रुपए नकदी भी ले लिए। इसके बाद युवती ने युवक को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

युवक को 3 साल तक हुआ नुकसान : करीब 3 साल तक युवक ब्लैकमेल होता रहा और युवती के पीछे लगभग 20 लाख रुपए गंवा दिए। युवक ने पुलिस से लेकर एसपी, डीआईजी, आईजी और डीजीपी तक शिकायत की।

दहेज प्रताड़ना के केस में फंसाने की धमकी दी : थाना मोघट रोड टीआई धीरेश धारवाल ने बताया कि 27 वर्षीय युवक एहतेशाम खान की शिकायत पर इंदौर की युवती के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि युवती ने पूर्व प्रेम संबंध छिपाकर शादी की और कुछ समय पत्नी के रूप में रहने के बाद घर से नकदी और जेवरात ले लिए। इसके साथ ही उसने पूर्व प्रेमी के साथ दूसरा संबंध बनाते हुए दहेज प्रताड़ना के केस में फंसाने की धमकी देकर रुपए की वसूली की।

वकील के माध्यम से भी धमकाया : शहर के गुलशन नगर निवासी एहतेशाम खान ने बताया कि 12 फरवरी 2021 से 31 मई 2024 तक युवती ने उसे धोखा दिया। युवती ने वकील के माध्यम से धमकाया और इंदौर के पुलिस थाने में उसके खिलाफ घरेलू हिंसा का केस भी दर्ज करवाया। जांच में पता चला कि युवती हनीट्रैप गैंग से जुड़ी है और उसने अपने पूर्व बॉयफ्रेंड के साथ 4 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है।

नर्मदापुरम आरटीओ दफ्तर में उधारी पर मिल रहा हेलमेट: दलाल हेलमेट देकर दफ्तर में दिलवा रहे एंट्री

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम समेत प्रदेशभर में टू-व्हीलर चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। पुलिस और यातायात विभाग जुर्माना वसूल कर चालान काट रहे हैं। सरकारी दफ्तरों में भी हेलमेट पहनकर प्रवेश के बोर्ड लगा दिए गए हैं। आरटीओ ऑफिस नर्मदापुरम में भी हेलमेट अनिवार्य किया गया है।

आरटीओ ऑफिस में बिना हेलमेट किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा। इसके बावजूद कुछ दलालों ने एक तरकीब निकाल ली है। वे उधारी के हेलमेट लेकर ऑफिस के गेट से अंदर जाते हैं, लेकिन बाइक लेकर बाहर निकलते समय उनके सिर पर हेलमेट नहीं होता। ऑफिस में अंदर घुसने के लिए ये एजेंट एक दूसरे से हेलमेट मांग कर खानापूर्ति कर रहे हैं।

मीडिया के सामने हुआ वाकया: मीडिया के सामने एजेंटों के हेलमेट लेने देने का मामला आया। एक एजेंट हेलमेट पहनकर अंदर गया, दूसरे एजेंट ने हेलमेट लेकर बाहर आया। फिर दूसरी बाइक के चालक को पहनाकर अंदर भेज दिया गया। जब एजेंट से हेलमेट मांगने का सवाल किया गया तो उसने कहा, ÷मेरा ही हेलमेट था। वो मैंने मांगा है।÷ इस तरह आरटीओ में हेलमेट नियम केवल खानापूर्ति बनकर रह गया।

जिम्मेदार अफसरों की जानकारी नहीं : मामले में आरटीओ रिंकू शर्मा से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। यातायात विभाग की जांच और चालान यातायात विभाग रोजाना कलेक्ट्रेट गेट पर हेलमेट और सीट बेल्ट की चेकिंग कर रहा है। बिना हेलमेट बाइक चालकों को रोककर चालान काटा जा रहा है। मंगलवार को भाजपा पदाधिकारी और व्यापारी महासंघ के अध्यक्ष मनोहर बढ़ानी को भी हेलमेट नहीं पहनने पर रोककर चालान किया गया।

सोयाबीन की फसल बर्बाद, महिलाओं ने मुआवजे के किया विरोध-बीमा कंपनियों पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप,

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में सोयाबीन की फसल बर्बाद होने के बाद बीमा मुआवजे की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। महिलाएं हाथों में खराब सोयाबीन की फसल और तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। किसानों का कहना है कि पिछले 5 सालों से सोयाबीन की फसल लगातार खराब हो रही है। इसके बावजूद बीमा कंपनियों ने एक रूपए भी मुआवजा नहीं दिया है। मोहाली छोटी, बडवेली, सेवनिया, संग्रामपुर, लसूरिया खास समेत तीन जिलों के किसान बीमा राशि की मांग कर रहे हैं।

एक दर्जन गांव की महिलाएं इस प्रदर्शन में शामिल : टीला खेड़ी, बोरखेड़ी, नंदिनी, कोठरी, जीवनलाल, लोहापठार सहित एक दर्जन गांवों की महिलाएं इस प्रदर्शन में शामिल हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि जब तक बीमा राशि नहीं मिलेगी, आंदोलन जारी रहेगा। उनका आरोप है कि बीमा के नाम पर केवल वसूली होती है। फसल खराब होने पर कंपनियां जिम्मेदारी से पीछे हट जाती हैं।

सूखी और सड़ी हुई सोयाबीन की फसल दिखाकर विरोध : प्रदर्शनकारी महिलाओं ने सूखी और सड़ी हुई सोयाबीन की फसल दिखाकर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। उनका कहना है कि यह उनके बच्चों की रोटी और भविष्य का सवाल है। महिलाएं सड़क पर धरना दे रही हैं और प्रशासन को घेरने की तैयारी में हैं।

जैन मुनियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध, पुतला जलाया- संतोष जैन पटना की तस्वीर को मारी चप्पल, पुतला जलाकर जताया विरोध

सागर, एजेंसी। अशोकनगर में धार्मिक मंच से जैन मुनियों पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में मंगलवार रात सागर में सकल दिगंबर जैन समाज ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया। कीर्ति स्तंभ नमक मंडी पर समाजजनों ने संतोष जैन पटना वालों का पुतला जलाया। इससे पहले महिलाओं ने उनकी तस्वीर पर चप्पल मारकर आक्रोश जताया।

महिलाओं ने जताया विरोध, कहा- वापस जाकर मांगे माफी : विरोध में शामिल महिलाओं ने कहा कि गुरुवर आचार्य विद्यासागर महाराज के खिलाफ एक भी शब्द बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि संतोष जैन जिस मंच से अशोकनगर में टिप्पणी की है, वहीं वापस जाकर समाज से माफी मांगे।वे निर्वाचन की मीटिंग में शामिल होने कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। उप कमाण्डेंटनगर के शासकीय अनुसूचित जाति उत्कृष्ट बालक छात्रावास में टूटे पलंग और फटे हुए गद्दे हैं। इनके अलावा, भोजन भी खराब है। इस तरह की जानकारी छात्रावास को लेकर धमकाया भी था। इस तरह की खबर प्रकाशित होने के बाद, जनजातीय विभाग के जिला संयोजक चंद्रप्रकाश सोनी ने छात्रावास के अधीक्षक हरिशरण व्यास की जगह सहायक शिक्षक गोविंद राजपूत को प्रभारी अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंप दी है। हालांकि, राशि की कमी के कारण वहां व्यवस्थाएं कैसे सुधरेंगी, यह आगे देखना होगा। ने पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत से बैठक कर अभ्यास की रूपरेखा तैयार की। वर्तमान में रायसेन में तैनात 107 बटालियन रैपिड एक्शन फोर्स इस अभ्यास का हिस्सा है। देश में रैपिड एक्शन फोर्स की 16 बटालियनें विभिन्न राज्यों में कार्यरत हैं। रैपिड एक्शन फोर्स का गठन 7 अक्टूबर 1992 को सीआरपीएफ की बटालियनों से किया गया था। इसका मुख्य कार्य दंगा जैसी स्थितियों से निपटना है। विशेष उपकरणों से लैस रैपिड एक्शन फोर्स की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित करने में सक्षम हैं।

अशोकनगर कार्यक्रम में दी गई थी आपत्तिजनक टिप्पणी : जैन समाज के अनुसार 16 अगस्त को अशोकनगर में जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम के दौरान संतोष जैन पटना वालों ने आचार्य विद्यासागर महाराज और अन्य जैन मुनियों के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द कहे थे। इस घटना के सामने आते ही जैन समाज में गहरा आक्रोश फैल गया। नमक मंडी में रैली, पुतले पर जड़े जूते सागर में समाजजन, युवा और महिलाएं रैली के रूप में नमक मंडी पहुंचे। यहां युवाओं ने पुतले को जमीन पर पटककर जूते मारे। महिलाओं ने तस्वीर पर चप्पल मारकर विरोध जताया। पुतले पर कालिख पोती गई और बाद में उसे जलाया गया।

समाज की मांग- सभी पदों से हटाया जाए : जैन समाज ने कहा कि संतोष जैन पटना वालों ने आस्था और संत परंपरा पर चोट की है। समाज ने मांग की है कि उन्हें सभी पदों से तत्काल बर्खास्त किया जाए और सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जाए।

शाजापुर में रैपिड एक्शन फोर्स का विशेष अभ्यास: स्थानीय पुलिस के साथ फ्लैग मार्च, संवेदनशील क्षेत्रों का किया सर्वे

शाजापुर (उज्जैन), एजेंसी । शाजापुर में रैपिड एक्शन फोर्स रैपिड एक्शन फोर्स ने थाना कोतवाली क्षेत्र में परिचय अभ्यास किया। रैपिड एक्शन फोर्स की टीमों ने स्थानीय पुलिस और प्रशासन के साथ समन्वय बनाते हुए शहर में फ्लैग मार्च निकाला। रैपिड एक्शन फोर्स के उप कमाण्डेंट बृजमोहन राठौर के नेतृत्व में यह अभ्यास चल रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर कमाण्डेंट जगदीश प्रसाद बलाई के आदेशानुसार यह अभ्यास 18 से 22 अगस्त तक जारी रहेगा। रैपिड एक्शन फोर्स की टीमें संवेदनशील क्षेत्रों में जाकर स्थानीय पुलिस से समन्वय स्थापित कर रही हैं। टीमें असामाजिक तत्वों और संभावित दंगाइयों की सूची भी तैयार कर रही हैं। रैपिड एक्शन फोर्स टीमें क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक और धार्मिक स्थितियों का अध्ययन कर रही हैं। साथ ही राजनीतिक दलों और समाजसेवी संगठनों की जानकारी एकत्र कर रही हैं।

सलाह ने रचा इतिहास, तीसरी बार बने पीएफए प्लेयर ऑफ द ईयर

लंदन, एजेंसी। लिवरपूल के स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सलाह ने एक नया इतिहास रच दिया है। वह प्रोफेशनल फुटबॉलर्स एसोसिएशन (पीएफए) के मेंस प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड को तीसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। सलाह ने इससे पहले 2018 और 2022 में यह खिताब अपने नाम किया था। इस बार वह छह खिलाड़ियों की शॉर्टलिस्ट में शीर्ष पर रहे, जिसमें उनके लिवरपूल साथी एलेक्सिस मैक एलिस्टर, मैनचेस्टर यूनाइटेड के ब्रूनो फर्नांडेज़, न्यूकैसल के स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक, चेल्सी के कोल पामर और आर्सेनल के डेक्लन राइस शामिल थे। 33 वर्षीय सलाह को यह सम्मान लिवरपूल की पिछले सीज़न की प्रीमियर लीग खिताबी जीत में उनके अहम योगदान के लिए मिला। उन्होंने 2024-25 सीज़न में 29 गोल दागे और 18 असिस्ट दिए, जिससे वे लीग के टॉप स्कोरर बने। सलाह को इस सीज़न में प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीज़न और फुटबॉल राइटर्स' एसोसिएशन फुटबॉलर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड भी मिला। इसके अलावा, एस्टन विला के मिडफील्डर मॉर्गन रोजर्स को यंग प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया, जबकि इंग्लैंड के पूर्व मैनेजर गैरेथ साउथगेट को 2025 पीएफए मेरिट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

दीप्ति शर्मा का क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए भारतीय महिला टीम में चयन से आगरा में खुशी

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के होनहार खिलाड़ी दीप्ति शर्मा का भारतीय महिला टीम में चयन से जिले में खुशी का माहौल है। दीप्ति का चयन क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए हुआ है। उत्तर प्रदेश के आगरा के शमशाबाद कस्बे में 24 अगस्त 1997 को जन्मी दीप्ति के पिता भगवान शर्मा भारतीय रेलवे से रिटायर्ड हैं। उनकी मां सुशीला शर्मा एक शिक्षिका हैं। दीप्ति ने तेज गेंदबाज रहे अपने बड़े भाई सुमित शर्मा से प्रेरित होकर क्रिकेट को अपना कॅरियर चुना। उत्तर प्रदेश की टीम में, 12 साल की उम्र में ही दीप्ति का चयन हो गया था। वर्ष 2014 में दीप्ति भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए चुनी गयीं। इसी वर्ष उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने वनडे कॅरियर की शुरुआत की। दीप्ति ने 2017 में आयरलैंड के खिलाफ मैच में पूनम राउत के साथ मिलकर 320 रनों की विश्व रिकॉर्ड ओपनिंग साझेदारी की। उसमें दीप्ति ने खुद 188 रन बनाये थे। महिला वनडे क्रिकेट में ये दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। दीप्ति को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वर्ष 2020 में अर्जुन पुरस्कार से नवाज़ा गया। दीप्ति अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट लेने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। दीप्ति डब्ल्यूपीएल में यूपी वारियर्स के लिए खेलते हुए हैट्रिक लेकर पहली भारतीय गेंदबाज बनीं। दीप्ति शर्मा को खेल में शानदार उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए यूपी पुलिस में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर नियुक्त किया गया है।

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी हीरो पुरुष एशिया कप 2025 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से 7 सितंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता बेल्जियम-नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफायर है। भारत को पूल-ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ रखा गया है। टीम इंडिया अपना पहला मुकाबला 29 अगस्त को चीन के खिलाफ खेलेगी, इसके बाद 31 अगस्त को जापान और 1 सितंबर को कजाखस्तान से भिड़ेगी।

अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को एक बार फिर टीम का कप्तान बनाया गया है। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों का मजबूत संतुलन नजर आता है। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा पर होगी। रक्षा पंक्ति में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास के साथ जर्मनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह शामिल होंगे।

मिडफील्ड की कमान मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह संभालेंगे। आक्रमण पंक्ति में मंदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह विपक्षी डिफेंस के लिए चुनौती पेश करेंगे। नीलम संजीव ज़ेस और सेल्वम कार्ती को वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में टीम में जगह दी गई है। टीम चयन पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमने एक अनुभवी टीम चुनी है, जो दबाव की परिस्थितियों में प्रदर्शन करने का अनुभव रखती है। एशिया कप हमारे लिए अहम है क्योंकि विश्व कप क्वालिफिकेशन दांव पर है। इसीलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत थी जिनमें धैर्य, लचीलापन और जीत का जज्बा हो। मुझे इस टीम के संतुलन और गुणवत्ता से बेहद खुशी है। हर विभाग–रक्षा, मिडफील्ड और आक्रमण–में हमारे पास नेता मौजूद हैं और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत होगी।

एशिया कप 2025 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम:

- गोलकीपर-कृष्ण बी.पाठक, सूरज करकेरा।
- डिफेंडर्स- सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह।
- मिडफील्डर- राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद।
- फारवर्ड- मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह।
- अल्टरनेट एथलीट- नीलम संजीप, सेल्वम कार्थी।

डायमंड लीग के अंतिम चरण में भाग नहीं लेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई-प्रोफाइल डायमंड लीग फाइनल में पहले ही पहुंच चुके स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को बेल्जियम के ब्रुसेल्स में होने वाली प्रतिष्ठित श्रृंखला के अंतिम चरण में भाग नहीं लेंगे। 14 डायमंड लीग मुकाबलों में से चार में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता शामिल है। चोपड़ा ने केवल दो में भाग लिया, लेकिन 28 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गए। उन्होंने 16 अगस्त को सिलेसिया चरण में भी हिस्सा नहीं लिया था। 27 वर्षीय मौजूदा विश्व चैंपियन ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर भाला फेंककर प्रतिष्ठित 90 मीटर का आंकड़ा पार किया, लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इसके बाद उन्होंने जून में 88.16 मीटर भाला फेंककर पेरिस डायमंड लीग जीता। ब्रुसेल्स चरण के बाद शीर्ष छह धावक ज्यूरिख में होने वाले डायमंड लीग फ़ाइनल में पहुंचेंगे। चोपड़ा ने आखिरी बार 5 जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक में भाग लिया था, जहाँ उन्होंने 86.18 मीटर भाला फेंककर खिताब जीता था। इस सीज़न में अब तक उन्होंने कुल छह स्पर्धाओं में भाग लिया है, जिनमें से चार में उन्हें जीत मिली है और दो बार वे दूसरे स्थान पर रहे हैं। चोपड़ा 13-21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपना खिताब बरकरार रखेंगे। डायमंड लीग वैश्विक एथलेटिक्स में एक विशिष्ट एक दिवसीय प्रतियोगिता श्रृंखला है। 27 और 28 अगस्त को ज्यूरिख में आयोजित होने वाले दो दिवसीय डायमंड लीग फ़ाइनल के लिए क्वालीफाई करने हेतु, खिलाड़ी 14-सीरीज़ की प्रतियोगिताओं में अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

द हंड्रेड: ट्रेंट रॉकेट्स की धमाकेदार जीत, कप्तान डेविड विली ने दिखाया जलवा

नॉटिंघम, एजेंसी। नॉटिंघम में द हंड्रेड टूर्नामेंट के तहत मंगलवार को खेले गए मुकाबले में कप्तान डेविड विली की अगुवाई में ट्रेंट रॉकेट्स ने मैनचेस्टर ओरिजिनल्स को सात विकेट से हराया। विली ने अपनी घातक गेंदबाजी से मात्र 11 रन देकर तीन विकेट झटके और ओरिजिनल्स को 100 गेंदों में महज 98 रन पर रोक दिया। रॉकेट्स ने लक्ष्य 26 गेंद शेष रहते आसानी से हासिल कर लिया और अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

विली का कहर और ओरिजिनल्स की ढहती पारी : मैच की शुरुआत से ही डेविड विली ने ओरिजिनल्स की कमर तोड़ दी। उन्होंने पहले ही सेट में युवा बल्लेबाज बेन मैककिनी को एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद इन-फॉर्म बल्लेबाज जोस बटलर को कैच आउट कराया और अगले ही गेंद पर रचिन रवींद्र को गोल्डन डक पर चलता किया। मध्य ओवरों में रॉकेट्स के गेंदबाजों ने पूरी तरह दबाव बनाए रखा। रिहान अहमद ने हेनरिक क्लासेन और फिल साल्ट को बड़े शॉट खेलने पर मजबूर किया और दोनों को आउट किया। वहीं, सैम कुक ने मैथ्यू हर्स्ट और स्कॉट करी को पवेलियन भेजा।

ओरिजिनल्स के लिए सिर्फ लुईस ग्रेगरी टिक पाए जिन्होंने आखिरी 10 गेंदों में ताबड़तोड़ 26 रन बनाए और टीम को किसी तरह 98 तक पहुंचाया।

रिहान अहमद की नाबाद पारी : 98 रन का लक्ष्य आसान नहीं माना जा रहा था, लेकिन रॉकेट्स ने इसे एकतरफा बना दिया। हालांकि जो रूट (4) और टॉम बैंटन (12) जल्दी आउट हो गए, लेकिन रिहान अहमद ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 45 रन बनाए। उन्होंने स्पिनरों रवींद्र और नूर अहमद के खिलाफ बेखौफ शॉट खेले और लगातार बाउंड्री लगाई। रिहान का साथ दिया विकेटकीपर टॉम मूर्स ने, जिन्होंने 13 गेंदों पर तेज 22 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

ला लीगा 2025-26: रियल मैड्रिड ने जीत के साथ की शुरुआत ,पहले मैच में ओसासुना को हराया

मैड्रिड, एजेंसी। फ्रांसीसी स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे के पेनल्टी गोल की बदौलत रियल मैड्रिड ने ला लीगा 2025-26 सीजन की शानदार शुरुआत की। मंगलवार को सैंटियागो बर्नबाउ में खेले गए मुकाबले में मैड्रिड ने ओसासुना को 1-0 से हराकर नए कोच जाबी अलोंसो को जीत का तोहफ़ा दिया। मैच का एकमात्र गोल दूसरे हाफ के शुरुआती मिनटों में आया, जब ओसासुना डिफेंडर जुआन क्रूज़ के फाउल पर मैड्रिड को पेनल्टी मिली। एमबाप्पे ने मौके को भुनाते हुए गेंद को गोलकीपर सर्जियो हेरेरा के विपरीत दिशा में भेजकर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल अंत तक निर्णायक साबित हुआ। रियल मैड्रिड की टीम इस मैच में इंग्लैंड के मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम के बिना उतरी, जो कंधे की सर्जरी के कारण अक्टूबर तक मैदान से बाहर रहेंगे। वहीं, लिवरपूल से आए ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड ने ला लीगा में पदार्पण किया। साथ ही समर साइनिंग्स डीन हुईजसन और अल्वारो कैरेरास भी शुरुआती एकादश का हिस्सा बने।

पहले हाफ में मैड्रिड को ओसासुना की मजबूत डिफेंस के सामने खास मौके नहीं मिले। सेंटर-बैक हुईजसन और मिलिटाओ की दूर से मार की कोशिशों को गोलकीपर हेरेरा ने रोका। वहीं, विनीसियस जूनियर की क्रॉस पर एमबाप्पे का शॉट साफ़ नहीं लग पाया।

दूसरे हाफ में पेनल्टी के जरिए गोल करने के बाद मैड्रिड ने मैच पर नियंत्रण बना लिया। अलोंसो ने 18 वर्षीय अर्जेंटीनी विंगर फ्रांको मास्तान्तुओनो को भी पदार्पण का मौका दिया। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन गोलकीपर हेरेरा ने उनके प्रयास को बचा लिया। ओसासुना को मैच में वापसी का मौका नहीं मिला। अंत में अबेल ब्रेटोनेस को इंजरी टाइम में गोंजालो गार्सिया को रोकने के प्रयास में हाथ उठाने पर लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई। इस जीत के साथ रियल मैड्रिड ने 2008 से चली आ रही परंपरा को जारी रखा है कि वह ला लीगा के अपने शुरुआती मुकाबले में कभी हारता नहीं है।

इंग्लिश टीम जनवरी 2026 में करेगी श्रीलंका का दौरा, विश्व कप की तैयारियों को मिलेगा बल

कोलंबो (श्रीलंका), एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम जनवरी 2026 में श्रीलंका का दौरा करेगी, जहां वह सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलेगी। यह दौरा आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा। दौरे की शुरुआत 22 जनवरी से तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के साथ होगी, जिसके बाद 30 जनवरी से तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेली जाएगी। भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप से पहले यह दौरा इंग्लैंड को उपमहाद्वीपीय परिस्थितियों में खेलने का अनुभव देगा। इंग्लैंड इससे पहले 2009 और 2022 में खिताब जीत चुका है और अब तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का लक्ष्य साधेगा।

गौरतलब है कि इंग्लैंड सात साल बाद श्रीलंका में सीमित ओवरों की श्रृंखला खेलेगा। पिछला दौरा 2018 में हुआ था, जिसमें इंग्लैंड ने वनडे श्रृंखला 3-1 से जीती थी और एकमात्र टी20 मैच पर भी कब्जा जमाया था। दोनों टीमों की आखिरी भिड़ंत टी20 प्रारूप में 2022 विश्व कप (ऑस्ट्रेलिया) में हुई थी, जहां इंग्लैंड ने ग्रुप चरण के मुकाबले में श्रीलंका को चार विकेट से हराया था और आगे चलकर खिताब भी अपने नाम किया।

श्रीलंका इससे पहले सितंबर 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मैचों की श्रृंखला खेलेगा, जबकि इंग्लैंड 10 सितंबर से कार्डिफ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखला की मेजबानी करेगा।

दौरे का पूरा कार्यक्रम

- पहला वनडे – 22 जनवरी, 2026
- दूसरा वनडे – 24 जनवरी, 2026
- तीसरा वनडे – 27 जनवरी, 2026
- पहला टी20 – 30 जनवरी, 2026
- दूसरा टी20 – 1 फरवरी, 2026
- तीसरा टी20 – 3 फरवरी, 2026

डॉ. रमन सिंह को बीजेपी में लाने वाले बिसे गुरूजी का निधन

दुर्ग, एजेंसी। दुर्ग की राजनीति के बड़े नाम और भाजपा के आधार स्तंभ माने जाने वाले बिसे यादव 'गुरूजी' का निधन हो गया। 73 वर्ष की आयु में उन्होंने आज अंतिम सांस ली। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर 12 बजे हरनाबांधा मुक्तिधाम में हुआ।

दुर्ग की राजनीति में बड़ा नाम:बिसे यादव को 'गुरूजी' के नाम से जाना जाता था। वे दुर्ग में भाजपा की स्थापना और विस्तार के प्रमुख चेहरे रहे। कहा जाता है कि उन्होंने ही डॉ. रमन सिंह को भाजपा की सदस्यता दिलाई थी। 1986-87 में जब भाजपा की स्थिति कमजोर थी, तब वरिष्ठ नेता गोविंद सारंग के साथ वे कवर्धा पहुंचे और वहां डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर उन्हें भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनाया। यही से डॉ. रमन सिंह की राजनीतिक यात्रा भाजपा में शुरू हुई।

कांग्रेस के दिग्गजों को दी चुनौती:बिसे यादव ने उस दौर में राजनीति की जब कांग्रेस का दबदबा था। 1984 में उन्हें भाजपा ने तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और परिवहन मंत्री मोतीलाल वोरा के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा। 1989 में दुर्ग विधानसभा उपचुनाव में उन्होंने शिवसेना प्रत्याशी के रूप में मोतीलाल वोरा को चुनौती दी। हालांकि वे चुनाव हार गए, लेकिन कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को टक्कर देने से उनकी राजनीतिक हैसियत काफी बढ़ गई।

राजनीतिक सफर:1974 से 1979 तक उन्होंने नेशनल हाई स्कूल में शिक्षक के रूप में सेवाएं दीं। 1979 में उन्होंने नौकरी छोड़ राजनीति में कदम रखा और पहली बार दुर्ग नगर पालिका परिषद के पार्षद चुने गए।

इसके बाद वे पांच बार पार्षद बने। भाजपा के शुरुआती दौर में वे भाजयुमो शहर अध्यक्ष और भाजपा शहर अध्यक्ष भी रहे।

सिद्धांतवादी नेता:बिसे गुरूजी सिद्धांतवादी छवि के नेता रहे। भाजपा सत्ता में आने के बाद उन्हें अपेक्षित महत्व नहीं मिला, लेकिन वे संगठन और विचारधारा के प्रति समर्पित बने रहे। हाल के वर्षों में उन्होंने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का अभियान भी शुरू किया था, लेकिन अस्वस्थता के कारण यह आंदोलन आगे नहीं बढ़ पाया।

लोगों की यादों में जिंदा रहेंगे गुरूजी:दुर्ग और आसपास की राजनीति में बिसे यादव का नाम एक ऐसे नेता के रूप में दर्ज है जिन्होंने भाजपा को शून्य से खड़ा किया और दिग्गज नेताओं को चुनौती देने का साहस दिखाया। वे पूर्व मंत्री स्व. हेमचंद यादव के भी राजनीतिक गुरु माने जाते थे।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने ली समय सीमा की बैठक

रायपुर, एजेंसी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले के विकास एवं प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए नवाचार प्रोजक्ट ÷मेरा गांव मेरी पहचान÷ के संबंध में जिन अधिकारियों को जिन गांवों के प्रभार दिए गए है, उनका समय-समय पर दौरा करें, वहां पर शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इन गांवों में जाकर जन समस्या का जायजा लें और समाधान करें। इसके विकास कार्य के लिए कार्ययोजना बनाएं। साथ ही नगरीय निकायों की बैठक में सभी जोन आयुक्तों को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र में अतिक्रमण के विरूद्ध कार्यवाही में तेजी लाएं, साफ-सफाई के विशेष ध्यान रखें और जोन क्षेत्र में आने वाले सभी आंगनबाड़ी केन्द्रो का निरीक्षण करें। इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर आईएएस सुश्री नम्रता जैन, सीईओ जिला पंचायत कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

जनदर्शन में मिले 50 आवेदन

गरियाबंद, एजेंसी। कलेक्टर बी.एस. उइके ने जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए लोगों की मांग, समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। आज जनदर्शन में 50 लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में ग्राम पण्डरीपानी के रिखीराम ने भूमि का अधिकार पट्टा प्रदान करने, ग्राम सातधार के दीपक ने आर्थिक सहायता प्रदान करने, ग्राम सरगोड के मुलचंद सिन्हा ने अवैध कब्जा को हटाने, नगर पंचायत राजिम के पुनूराम ने सीमाकंन हेतु नक्शा प्रदान करने, ग्राम बेन्दकुरा की सोनबाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाने, ग्राम अमलीपदर के माखन सिंह ने फसल क्षति के लिए मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम पितईबंद के बालक दास ने आरबीसी 6-4 के तहत सहायता राषि प्रदान करने, ग्राम कोदोबतर की उमा ध्रुव ने रसोइया पद नियुक्ति दिलाने, ग्राम बकली के सुनील मिरी ने व्यावसायिक योगदान दिलाने, ग्राम गोंदलाबाहरा के होरीलाल कमार एवं प्रेमलाल खैरवार ने वन अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान करने, ग्राम पंचायत कुटेना के कलीराम ने नाली को सफाई करवाने, ग्राम कोडोहरदी के लालतु राम ने विद्युत तार को अन्यत्र जगह हटाने से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये है। इस पर कलेक्टर उइके ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, नवीन भगत, सभी एसडीएम, सभी जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर अधिकारियों नियम के तहत कार्य करने के दिए निर्देश

गरियाबंद, एजेंसी। कलेक्टर बी.एस. उईके ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए समय पर प्राप्त प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को नियत समय पर कार्यालय पहुंचने के सख्त हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि शासकीय अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय समय पर आना सुनिश्चित करे। इसकी मॉनिटरिंग राज्य स्तर पर की जाती है। साथ ही विभागों को प्राप्त होने वाले मांग, शिकायत, समस्याओं का निराकरण शासकीय नियमानुसार करें। उन्होंने समय-सीमा में दर्ज, जनदर्शन, जनचौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल, लोक संवाद, सीपी ग्राम सहित उच्च कार्यालयों के लंबित प्रकरणों को नियत समय के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चन्द्राकर, अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, नवीन भगत, पंकज डाहिरे, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ सहित जिला अधिकारी मौजूद रहे।

आदि कर्मयोगी अभियान'' के संबंध में मीडिया को दी जानकारी

कांकेर, एजेंसी। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज प्रेसवार्ता लेकर शासन द्वारा शुरू की गई 'आदि कर्मयोगी अभियान' के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिले के 552 जनजातीय बाहुल्य ग्राम शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 02 अक्टूबर 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया था, इसका प्रमुख उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के विकास एवं कल्याण से जुड़े विभिन्न योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 10 जुलाई 2025 को 'आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ किया गया है। जिसकी परिकल्पना विश्व के सबसे बड़े जनजाति नेतृत्व आंदोलन के रूप में की गई है। यह अभियान बहु-विभागीय समन्वय और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

कलेक्टर ने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत कांकेर जिले के 552 जनजातीय बाहुल्य ग्राम शामिल किए गए हैं। अभियान के तहत् जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर ट्रेनर तथा ग्राम स्तर पर कैडर जैसे- अशासकीय संस्थाएं, स्व-सहायता समूह, पंचायत सचिव, युवा, पंच, फ्रंटलाईन कर्मचारी एवं सेवाभावी संगठन एवं स्वयंसेवक तैयार किए जाएंगे।

ये सभी जिले के आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में विभिन्न योजनाओं जैसे- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, पीएम जनमन योजना, मूलभूत सुविधाएं जैसे- आवास, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार आदि के क्रियान्वयन, उपलब्धता एवं संतृप्तिकरण तथा भविष्य में आदिवासी ग्रामों के विकास हेतु ग्राम स्तर पर योजना तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

इस अभियान के तहत लाइन विभागों- वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्कूल शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग इत्यादि के साथ आदि कर्मयोगी अभियान पर उन्मुखीकरण एवं क्रियान्वयन हेतु आवश्यक पहल की जा रही है। अभियान अंतर्गत चिन्हांकित प्रत्येक ग्राम में 'आदि सेवा केन्द्र' की स्थापना किया जाना है, इस सेवा केन्द्र से विभिन्न शासकीय सेवाओं को प्रदान किया जाएगा एवं विचार-विमर्श हेतु ग्राम सभा की बैठक भी आयोजित की जाएगी।

अभियान के अंतर्गत 'सेवा पर्व एवं आदि कर्मयोगी सेवा अभियान का आयोजन 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा, जिसका उद्देश्य 'सेवा, समर्पण एवं सुशासन' की भावना के साथ जमीनी स्तर के अधिकारियों-कर्मचारियों को सशक्त कर नेतृत्व क्षमता को बढ़ाना तथा ग्राम स्तर पर शासकीय सेवाओं की प्रदायगी को सशक्त करना है।

इस सोलह दिवसीय अभियान के अंतर्गत प्रत्येक चयनित ग्राम के लिए 02 अक्टूबर के पूर्व ट्रायबल विलेज विजन-2030 का निर्माण, जनभागीदारी के तहत विशेष जागरूकता अभियान, शिकायत निवारण एवं सेवा प्रदाय हेतु शिविरों का आयोजन, प्रत्येक पखवाड़े में 'आदिवासी सेवा दिवस' एवं प्रत्येक सप्ताह (सोमवार) 'आदिवासी सेवा हेतु निश्चय समय' का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान Whole of Government Approach पर आधारित है।

इस अभियान के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी बनाया गया है तथा प्रशिक्षण के लिए प्रभारी मंडल संयोजक कपिल भट्ट, सहायक वन संरक्षक किशोरीलाल साहू, जेंडर विशेषज्ञ खुलेश साहू, व्याख्याता संजय वस्त्राकार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संकाय सदस्य पंकज कुमार सिन्हा और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से राजेश हिरकने को जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स बनाया गया है। कलेक्टर क्षीरसागर ने कहा कि हम सबकी सक्रिय भागीदारी, नेतृत्व एवं समन्वय से ही इस अभियान का ध्येय 'सेवा, समर्पण एवं संकल्प प्राप्त किया जा सकेगा।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव पर संबलपुर में महिला समूहों ने दिया स्वच्छता का संदेश

धमतरी, एजेंसी। छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव 2025 के अवसर पर आज आंचल महिला क्लस्टर संगठन संबलपुर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह आयोजन कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ रोमा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महिला स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी रही। समूह की महिलाओं ने गांव एवं आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई कार्य कर स्वच्छता का संदेश दिया।

साथ ही रंगोली के माध्यम से स्वच्छता एवं जनजागरूकता को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया।

इसके अतिरिक्त उपस्थित जनों ने स्वच्छता शपथ भी ग्रहण की और स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

आयोजन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और महिला समूहों की इस पहल की सराहना की। इस संबंध में जिला पंचायत की सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल स्वच्छता की आदत विकसित होती है बल्कि ग्रामीण समाज में जनजागरूकता भी बढ़ती है।

कला, संस्कृति एवं परंपराओं का छात्रों ने किया प्रदर्शन

अम्बिकापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार रजत महोत्सव 2025 के अंतर्गत सरगुजा जिले के सरस्वती बीएड महाविद्यालय अम्बिकापुर में ''हमर घरौहर हमर गौरव'' थीम पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में लोकनृत्य, लोकगीत, चित्रकला एवं वाद्ययंत्र वादन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लगभग 200 से अधिक युवा प्रतिभागियों ने अपनी कला, संस्कृति एवं परंपराओं का प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ की गौरवशाली धरोहर को जीवंत किया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अमृत लाल ध्रुव, जनपद पंचायत सीईओ राजेश सेंगर सहित अन्य अधिकारी एवं सरस्वती बीएड कॉलेज के प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने तथा गौरवपूर्ण इतिहास को संरक्षित करने का संदेश दिया गया। रजत महोत्सव के तहत आयोजित यह आयोजन ''हमर घरौहर हमर गौरव'' न केवल सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक बना, युवाओं में छत्तीसगढ़ी परंपराओं के प्रति गर्व और आत्मीयता भी जागृत हुई।

50 करोड़ से ज्यादा की ठगी करने वाले 3 ठग गिरफ्तार

कबीरधाम, एजेंसी। कवर्धा पुलिस ने एक बड़े ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने निवेश पर ऊंचे मुनाफे का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी की थी।

मामला कैसे शुरू हुआ:30 अक्टूबर 2024 को कवर्धा निवासी शिव सोनी ने थाना कवर्धा में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि DYPDHURWE BROTHERS CONSULTANTS PVT. LTD. / निवेश किंग नामक कंपनी के संचालक धर्मेश धुर्वे (35 वर्ष), यतीन्द्र धुर्वे (29 वर्ष) और नारायण प्रसाद धुर्वे (56 वर्ष) सभी निवासी वार्ड क्रमांक 11, मठपारा, कवर्धा ङ्क ने 10त्न प्रतिमाह लाभांश और एक वर्ष बाद मूलधन लौटाने का लालच देकर करोड़ों की ठगी की। इस पर थाना

कवर्धा में अपराध क्रमांक 672/2024 धारा 420, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस की कार्रवाई:लगातार कई दिनों तक दस्तावेजों की जांच और विभिन्न जिलों में दबिश देने के बाद पुलिस ने 19 अगस्त 2025 को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके ठिकानों से महत्वपूर्ण दस्तावेज और ठगी की रकम से खरीदी गई संपत्तियों के सबूत भी जब्त किए।

अब तक की जांच में खुलासा:कबीरधाम जिले में 1 करोड़ 39 लाख रुपये की ठगी। बिलासपुर और अन्य जिलों में मिलाकर 50 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी।

ठगी की रकम से खरीदी गई संपत्तिया:बिलासपुर में 57 लाख की जमीन

कवर्धा में 1.10 करोड़ की भूमि:लग्जरी गाड़ियाँ (टाटा हैरियर, अर्टिगा)। एसपी धर्मेंद्र सिंह (आईपीएस) ने कहा आर्थिक अपराधियों के लिए छत्तीसगढ़ की धरती सुरक्षित नहीं है। निवेशकों को लूटने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

आगे की कार्रवाई:आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमाण्ड की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस टीम ने बैंक लेन-देन खंगाले, सबूत जोड़े और कई जिलों में दबिश देकर यह सफलता हासिल की। इस पूरी कार्रवाई में थाना कोतवाली प्रभारी लालजी सिन्हा, थाना पांडातराई प्रभारी कमलाकांत शुक्ला, साइबर प्रभारी मनीष मिश्रा सहित पुलिस टीम के कई अधिकारियों व जवानों की अहम भूमिका रही।

स्कूटी सवार बुजुर्ग को ट्रक ने लिया चपेट में, मौत

महासमुंद, एजेंसी। नेशनल हाइवे 353 पर तुमगांव ओवर ब्रिज के पास सुबह हुए सड़क हादसे में ट्रक की ठोकर से स्कूटी सवार बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर ट्रक को थाना ले आई है। जानकारी के अनुसार, नयापारा, वार्ड नं 7 निवासी 72 वर्षीय मारुति राव स्कूटी से सब्जी खरीदने बाजार पहुंचे थे।

वापसी के दौरान जैसे ही बाजार से सड़क पर आए बागबहरा की तरफ से आ रहे ट्रक ने चपेट में ले लिया। दुर्घटना में मारुति राव की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मृतक को जिला अस्पताल भेजा। वहीं ट्रक चालक को हिरासत में लेने के साथ ट्रक को थाने ले आई है।

बस्तर सांसद ने प्रधानमंत्री को बस्तर दशहरा में शामिल होने को दिया आमंत्रण

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने बुधवार को अपनी पत्नी चंपा कश्यप व पुत्री क्षमता कश्यप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद भवन में सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं बस्तर सांसद महेश कश्यप ने बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर और विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरे के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रण दिया। सांसद महेश कश्यप ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस आमंत्रण को स्वीकार करते हुए बस्तर दशहरे में समय निकालकर शामिल होने का आश्वासन दिया है। मुलाकात के दौरान सांसद ने प्रधानमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट किया और बस्तर में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यों के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राष्ट्र ने विगत 11 वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 और 35ए को हटाकर भारत माता

के माथे से कलंक मिटाने का साहसिक निर्णय हो या फिर अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर का निर्माण कराकर भारत की आध्यात्मिक आत्मा को पुनर्जागृत करने का कार्य, इन ऐतिहासिक कदमों ने भारत को विश्व पटल पर एक नई पहचान दिलाई है।

सांसद ने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व में बस्तर जैसे आदिवासी बहुल, जल-जंगल-जमीन से समृद्ध लेकिन लंबे समय तक नक्सलवाद से पीड़ित क्षेत्र में आज शांति और विकास की नई राह दिखाई दे रही है। माओवादी हिंसा और अशिक्षा जैसी समस्याओं को समाप्त करने की दिशा में निरंतर प्रयास हो रहे हैं और 2026 तक बस्तर को पूर्ण रूप से नक्सलवाद मुक्त बनाने की ठोस कार्य योजना पर कार्य चल रहा है।

उन्होंने बताया कि केंद्र के कार्यक्रम में स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा बस्तर क्षेत्र का बार-बार उल्लेख किया जाना बस्तर के लिए गर्व का विषय है और इससे यह स्पष्ट होता है कि यह क्षेत्र प्रधानमंत्री के हृदय के कितना निकट है।

विशाल इमली का पेड़ गिरने से दो मकानों को हुई क्षति, बिजली आपूर्ति ठप्प

कोंडागांव, एजेंसी। जिला मख्यालय में नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत बंधापारा वार्ड में एक विशाल इमली का पेड़ गिरने से दो मकानों को क्षति पहुंची है और कई विद्युत खंभे टूट गए हैं। इसके चलते क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप है। मिली जानकारी के अनुसार आज बुधवार सुबह लगातार तेज बारिश के चलते वार्ड में स्थित एक बड़ा इमली का पेड़ धराशायी हो गया, जिसकी चपेट में आने से दो मकान आ गए। इनमें से एक मकान पूरी तरह से

क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि दूसरे को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, पेड़ के गिरने से कुछ बिजली खंभे और तारें भी टूट गईं, जिससे इलाके में अंधेरा छा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार घटना की जानकारी तत्काल विद्युत विभाग और नगर पालिका को दी गई, लेकिन अब तक कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि घटनास्थल पर एक अकेली महिला स्वयं पेड़ हटाने का प्रयास कर रही है, जबकि प्रशासन और वन विभाग पूरी तरह से नदारद है। वार्ड वासियों का कहना है कि मार्ग अवरुद्ध होने से लोगों की आवाजाही भी प्रभावित हो रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा